RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार , 02 जून 2026 | वर्षः 04, अंकः 75 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत-म्यांमार के बीच सुरक्षा, आर्थिक सहयोग पर बनी सहमति

आधारभूत परियोजनाओं को लागू करने तथा व्यापार एवं द्विपक्षीय सहयोग में बढ़ोतरी का भी फैसला किया गया

नई दिल्ली/एजेंसी
भारत और म्यांमार ने आर्थिक एवं सुरक्षा सहयोग तथा संपर्क सुविधाओं के विस्तार पर सहमति व्यक्त की है। आधारभूत परियोजनाओं को लागू करने तथा व्यापार एवं द्विपक्षीय सहयोग में बढ़ोतरी का भी फैसला किया गया है। इसके साथ ही पड़ोसी देश की ओर से आश्वासन दिया गया है कि भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ उसकी भूमि का उपयोग नहीं होने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। चर्चा में व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, विकास सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। राष्ट्रपति ह्लाइंग 30 मई से 3 जून तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। अप्रैल 2026 में पद संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। मूल रूप से उन्हें 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' शिखर सम्मेलन में भाग लेना था, लेकिन सम्मेलन स्थगित होने के बाद इस अवसर का उपयोग द्विपक्षीय वार्ता के लिए किया गया। म्यांमार के राष्ट्रपति के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। इसमें पांच कैबिनेट मंत्री, तीन उपमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। वार्ता के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने मंत्रालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि दोनों पक्षों ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण बताया। इसके तहत कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट को शीघ्र पूरा करने और भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग के कालेवा-यागी खंड के जल्द निर्माण पर भी बल दिया गया।

भारत ने म्यांमार की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपना समर्थन दोहराया

सचिव के अनुसार भारत ने म्यांमार की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। वहीं म्यांमार के राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि म्यांमार की भूमि का इस्तेमाल भारत-विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं होगा। उन्होंने कहा कि म्यांमार भारत का पड़ोसी देश है, जिसके साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा होती है। यह भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट', 'एक्ट ईस्ट', 'महासागर' और इंडो-पैसिफिक नीतियों के केंद्र में स्थित है। दिल्ली आगमन से पहले म्यांमार के राष्ट्रपति ने बिहार के महाबोधि मंदिर, महाबोधि धम्मईखा मठ और सुजाता मंदिर का दौरा किया। यह यात्रा दोनों देशों के गहरे बौद्ध, धार्मिक और जन-जन के संबंधों को दशार्ती है। शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने म्यांमार के राष्ट्रपति का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि म्यांमार भारत का पड़ोसी देश है, जिसके साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा होती है।

द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की समीक्षा की

भारत आगमन से पहले म्यांमार के राष्ट्रपति ने महाबोधि मंदिर, महाबोधि धम्मईखा मठ और सुजाता मंदिर का दौरा किया। यह यात्रा दोनों देशों के गहरे बौद्ध, धार्मिक और जन-जन के संबंधों को दर्शाती है। संयुक्त वक्तव्य के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री और म्यांमार के राष्ट्रपति ने वार्ता में पारस्परिक हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की समीक्षा की और संबंधों के लिए आगे की राह तय की। राष्ट्रपति के साथ अपनी बातचीत में प्रधानमंत्री ने कहा कि म्यांमार भारत की पड़ोसी प्रथम, एक्ट ईस्ट और महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) नीतियों के संगम पर स्थित है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने अतिथि के सम्मान में दोपहर के भोजन का आयोजन किया।

भारत की भूमिका बहुत महत्वपूर्णः इजरायली राजदूत

नई दिल्ली। इजरायल के भारत में राजदूत रूवेन अजार ने मिडिल ईस्ट में भारत के बढ़ते प्रभाव की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के बीच इस क्षेत्र में स्थिरता स्थापित करने में भारत की बहुत बड़ी भूमिका है। अजार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बीच भारत की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि यदि क्षेत्र में स्थिरता बनी रही और चरमपंथी तत्वों पर नियंत्रण किया गया तो भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और व्यापारिक साझेदारियां पूरे क्षेत्र को बदल सकती हैं। राजदूत अजार ने कहा, 'भारत की इसमें बहुत बड़ी भूमिका है क्योंकि भारत हमारे क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। सभी प्रमुख व्यापारिक गुटों के साथ किए गए समझौतों के परिणामस्वरूप हम खरबों डॉलर के माल की आवाजाही और भारी निवेश होते देखेंगे। अगर पश्चिम एशिया में स्थिरता बनी रही तो हम इसका पूरा लाभ उठा सकेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें स्थिरता हासिल करनी होगी, कट्टरपंथी तत्वों को बेअसर करना होगा।

'भारत, हम और क्षेत्र के सभी देश उस समृद्धि का आनंद ले सकेंगे जो भारत से हमारे क्षेत्र की ओर आ रही है'

फिर मुझे लगता है कि भारत, हम और क्षेत्र के सभी देश उस समृद्धि का आनंद ले सकेंगे जो भारत से हमारे क्षेत्र की ओर आ रही है।' ये बयान ऐसे समय में आये हैं जब इजरायल भारत के साथ अपने रणनीतिक और राजनयिक संबंधों को मजबूत कर रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में कहा था कि इजरायल को भारत से मजबूत जनसमर्थन प्राप्त है। जबकि दुनिया के अन्य हिस्सों में आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। नेतन्याहू ने कहा, 'भारत जैसी विशाल शक्ति के साथ हमारा एक पुराना रिश्ता है। भारत में इजरायल को समर्थन प्राप्त है। दुनिया के अधिकांश हिस्सों में हमें अमान्यता का सामना करना पड़ता है- लेकिन भारत में नहीं।'

उन्होंने भारतीयों के बीच इजरायल के प्रति 'बेहिसाब प्यार' का जिक्र किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा के दौरान दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत संबंधों को भी बढ़ता हुआ देखा गया। पीएम मोदी को इजरायल के सर्वोच्च संसदीय सम्मान 'स्पीकर ऑफ द क्नेसेट मेडल' से नवाजा गया।

भारत में 'दिव्यास्त्र' ड्रोन बनाने का रास्ता साफ, दिव्यास्त्र मार्क-1 का भरोसेमंद प्रदर्शन

नई दिल्ली/एजेंसी
अब भारत में 'दिव्यास्त्र' ड्रोन बनाने का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जरूरतों को देखते हुए लॉन्ग रेंज ड्रोन विकसित करने की कोशिशों में भारत को बड़ी सफलता मिली है। भारत के स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को बढ़ावा देते हुए उत्तर प्रदेश के लखनऊ की डिफेंस स्टार्टअप कंपनी होवरइट ने दिव्यास्त्र मार्क-1 विकसित करके सफल परीक्षण भी कर लिया है। राजस्थान के जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान और तेज हवाओं में टेस्ट किए जाने पर इस प्लेटफॉर्म ने मुश्किल फील्ड स्थितियों में भी भरोसेमंद प्रदर्शन दिखाया। कंपनी के अनुसार दिव्यास्त्र मार्क-1 ने अपने ऑपरेशनल प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरे किए, जिसमें वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई लॉन्च, लाइव आईएसआर मिशन और टर्मिनल अटैक प्रोफाइल शामिल थे।

इस प्रदर्शन के हिस्से के तौर पर दिव्यास्त्र मार्क-1 यूएवी को एक वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई बार सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।

"गौ हमारी माता है, जन्म जन्मान्तर का नाता है"

सीएम- बोले अपनी नालायक औलाद को समझा लो, शस्त्र उठाना होगा अगर सामने खरदूषण है

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! अफजलगढ़ क्षेत्र स्थित आलमपुर गावड़ी मे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। सीएम ने यहां पर विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया साथ ही सीएम ने 5 विस्थापितों को जमीन के मालिकाना अधिकार पत्र दिए। 5 पूर्व सैनिकों को भी अधिकार पत्र सौंपे। वहीं मंच से सीएम ने गौमाता गाजियाबाद में हुए हत्याकांड को लेकर नसीहत भी दी। सीएम ने कहा, गौ हमारी माता है। जन्म जन्मान्तर का नाता है। क्या मां-पुत्र के बीच में कुछ घोषित करने की जरूरत पड़ती है, क्या किसी पुत्र को बताने की जरूरत पड़ती है कि तुम्हारी मां है इसका सम्मान करो।

ये हमारे संस्कार हैं। गाय को हमने माता माना है। पशु नहीं है, पशु तो तुम्हारी बुद्धि है, जो तुम हमारी गौ माता को पशु बोलते हो। ये तुम्हारा दोगलापन है, जो गौकशी को बढ़ावा देते हो। लोगों ने गौ माता की फोटो लगाकर बकरीद की बधाई दी,समझ जाओ मैं देख रहा था बकरीद में सोशल मीडिया पर गौ माता की फोटो लगाकर बकरीद की बधाई दे रहे थे। लेकिन मैं उनको बोलना चाहता हूं, यूपी में गौ हत्या का मतलब समझते हो न क्या होगा? अगर जान रहे हो तो फिर अपने चेले चपाटों को समझा लो। नहीं तो कई-कई पीढ़ियां याद करोगे। गौ माता के साथ किसी भी तरह की कोई हिमाकत की तो ।वहीं गाजियाबाद में हुए मर्डर को लेकर उन्होंने कहा, अगर कोई अपनी नालायक औलाद को समझा नहीं पा रहा है तो समझ लो गलती कर रहा है। मैं यही कहने के लिए आयाहूं, अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण हैं लेकिन शस्त्र उठाना होगा अगर सामने खरदूषण है।

सीएम योगी बोले - बिजनौर को मैं नमन करता हूं। नए भारत में हम सबको प्रेरणा मिली कि ये महाभारत की भूमि है। यहां जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। लेकिन जो अपने स्वार्थ के लिए धर्म को नष्ट करता है, धर्म उसको भी नष्ट कर डालता है।

ये धरा इतिहास से जुड़ी हुई धरा है। इसने इतिहास को बनाया है, इतिहास को बनते हुए देखा है। और इसने इतिहास को बिगड़ते हुए भी देखा है। मौलवी और मौलाना इस समय एक बयान दे रहे हैं। कह रहे हैं गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करो। तो हमने कहा, गौ हमारी माता है। जन्म जन्मान्तर का नाता है। क्या मां-पुत्र के बीच में कुछ घोषित करने की जरूरत पड़ती है क्या

गौमाता को स्वघोषित राष्ट्रमाता है। वैसे ही जैसे हमारी माता के बारे में किसी को परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती, जैसे गंगा माता के बारे में किसी को परिचय देने की आवश्यकता नहीं, हम सब गंगा माता की आरती करते हैं, उनकी पूजा करते हैं। क्या कोई हमें बताएगा कि गंगा हमारी माता है। किसी आक्रान्ता को हमें कुछ भी बताने की जरूरत नहीं। हमने गौ को माता माना है, हमने गंगा को माता माना है।

मैं एक बात पूछना चाहता हूं, ये पाकिस्तान से विस्थापित हुए पीड़ितों के लिए कभी उन मौलाना की आवाज क्यों नहीं निकली। ये दोगला चरित्र जो होता है न, वो ऐसा ही होता है। मुंह पर कुछ और पीछे कुछ। एक भी मौलाना ने जब बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम हुआ, आज से 6 महीने पहले। जो आंकड़ें सामने आए उसमें जो संख्या पहले 22 फीसदी थी, वो अब 7 फीसदी रह गई है। पाकिस्तान में 14 फीसदी हिंदू, 2 फीसदी रह गया।

ये मौलाना मौलवी कभी भी पाकिस्तान-बांग्लादेश की निंदा नहीं करते। अरे एक बार जुम्मे की नमाज में यही घोषणा कर देते कि पाकिस्तान घटिया स्तर पर काम कर रहा है। भारत का दुश्मन है लेकिन कुछ नहीं बोला। आपने देखा होगा बकरीद के मौके पर किस-किस प्रकार की हरकतें हो रही थीं। पहले तो हिंदू के त्योहार सपने जैसे हो गए थे। बेटी स्कूल नहीं जा पा रही थी। व्यापारी सुरक्षित नहीं था।

अभी गाजियाबाद में, दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी हुई। ये कतई बर्दाश्त नहीं है। अगर कोई अपनी नालायक औलाद को समझा नहीं पा रहा है तो समझ लो गलती कर रहा है। सारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मिल रहा है। लेकिन देश भी तो अपेक्षा करता है, संवेदना दिखाई दे। लेकिन संवेदना गायब है।

मैं यही कहने के लिए आया हूं, अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण हैं लेकिन शस्त्र उठाना होगा अगर सामने खरदूषण है। भगवान कृष्ण ने भी यही कहा था- सज्जनों के लिए ही हम सज्जन बने, दुर्जनों के लिए नहीं। ये कांग्रेस ने देश का विभाजन करवाया। ये लोग कहते थे, बाहर से आए बौद्ध, सिख लोगों को नागरिकता मत दो। इसके लिए इन लोगों ने बड़े बड़े प्रदर्शन किए। सपा ने भी किए। ये लोग पीएम के बनाए कानून का विरोध किए और अब कहते हैं गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करो।

आज बिजनौर में मेडिकल कॉलेज खुल गया है। ये सब इसलिए हो पाया क्योंकि आपने कमल को वोट दिया। हाईवे बन रहे, रेलवे के नए-नए काम हो रहे हैं। ये विकास ही परिवर्तन लाएगा। बिजनौर से हजारों नौजवान पुलिस में भर्ती हुए। पहले बस चाचा-भतीजा होता था, अब लेकिन कोई माई का लाल भर्ती नहीं रोक सकता है।

पाकिस्तान में हिंदू, सिक्ख, जैन भाइयों के साथ जो अन्याय हुआ था, उस अन्याय का परिमार्जन करने के लिए, पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा मारने के लिए हम लोग आए हैं। अब फिर से अगर भारत के अंदर दुस्साहस करोगे तो लखनऊ से ही ब्रह्मास्त्र मिसाइल बनाकर दागेंगे कि अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा।

पुलिस द्वारा दो वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा वद्युत अधिनियम थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त कल्लू उर्फ लल्लू पुत्र फगुहार निवासी ग्राम पूरब शरीरा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

इसी प्रकार थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त मौली पुत्र राम कृपाल निवासी ग्राम गरीब का पुरवा थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

चोरी की भैस व भैस के बच्चे के साथ चोर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। रविवार को वादी सोनू सिंह पुत्र सन्तोष सिंह निवासी ग्राम कुम्हियावां थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी द्वारा थाना महेवाघाट पर सूचना दी गयी की बीती रात्रि में मेरे घर के सामने बधी भैस व भैस का बच्चा किसी अज्ञात चोरो द्वारा चोरी कर लिया गया था जिसकी खोजबीन कर रहे थे तभी जानकारी मिली की टेवा का सन्तोष सरोज जानवरों की चोरी करता है जिसपर मै अपने रिस्तेदारों के साथ टेवा स्थित सन्तोष कुमार के घर पर पहुंचा तो देखा की उसके घर के सामने मेरी भैस व उसका बच्चा बँधी हुई थी । जिसपर मैने अपने रिश्तेदारों की मदद से भैस व भैस का बच्चा तथा सन्तोष सरोज को पकड़कर थाने पर लेकर आया हूँ । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना महेवाघाट पर मुकदमा पंजीकृत करते हुये अभियुक्त सन्तोष सरोज पुत्र जगरुप सरोज ग्राम टेवाँ थाना मंझनपुर कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण' के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया। सोमवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

प्रेम प्रसंग के चलते हुई थी गुमशुदा युवक विजय निषाद की हत्या,आरोपी पति पत्नी गिरफ्तार

बाइक मोबाइल, आलाकत्ल लकड़ी का चौखट बरामद

हनुमान प्रसाद शुक्ल
फतेहपुर। थाना बकेवर क्षेत्र में गुमशुदा युवक विजय निषाद की हत्या का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की हत्या प्रेम प्रसंग के चलते की गई थी। मामले के खुलासे के दौरान पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मृतक का मोबाइल फोन तथा हत्या में इस्तेमाल किया गया लकड़ी का चौखट भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम टिकरा निवासी इन्द्रपाल निषाद द्वारा दी गई तहरीर में जिक्र किया है कि उसका पुत्र विजय निषाद गत आठ मई को घर से मोटरसाइकिल द्वारा ग्राम मनकी थाना कुरारा जनपद हमीरपुर जाने की बात कहकर निकला था, जो वापस घर नहीं आया। इस संबंध में थाना बकेवर पर गुमशुदगी दर्ज की गई थी। वादी द्वारा तहरीर में आरोप लगाया गया कि उसके पुत्र की किरन पत्नी

कामता निषाद निवासी ग्राम मनकी थाना कुरारा जनपद हमीरपुर से बातचीत होती थी तथा उक्त रंजिश के कारण किरन एवं उसके पति कामता निषाद द्वारा उसके पुत्र विजय निषाद उपरोक्त की हत्या कर शव को छिपा दिया गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बकेवर पुलिस एवं सर्विलांस टीम को जांच में लगाया गया। तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन और पूछताछ के आधार पर वांछित अभियुक्ता क्रमशः कामता प्रसाद निषाद पुत्र रामकिशुन एवं किरन देवी पत्नी कामता प्रसाद निषाद निवासीगण ग्राम मनकी थाना कुरारा जनपद हमीरपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस नेअभियुक्त कामता प्रसाद की निशानदेही पर मृतक विजय निषाद के पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, ताबीज, जले हुए कपड़ों के अवशेष, एक जोड़ी जूते, आलाकत्ल लकड़ी का चौखट, आरी एवं ग्राइंडर ब्लेड, मोबाइल व चश्मे के टूटे हुए पार्ट्स तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद किया। साथ ही अभियुक्त की निशानदेही पर थाना रेउना जनपद कानपुर नगर क्षेत्रान्तर्गत जंगल से मानव कंकाल एवं अन्य अवशेष बरामद हुए। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगणों को बुधवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि प्रेम प्रसंग को लेकर चल रहे विवाद के कारण विजय निषाद की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया गया था। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान अभियुक्त एवं अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि किरन देवी और मृतक विजय निषाद के बीच लगभग 08 माह से प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

कल्यानपुर पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना कल्यानपुर पुलिस द्वारा एससी/एसटी एक्ट से संबंधित वारंटी अभियुक्त शम्भू सिंह पुत्र ओमप्रकाश निवासी कोरसम थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर उम्र 28 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

गैंगस्टर की 168 करोड़ की संपत्ति होगी कुर्क

जिलाधिकारी बिजनौर ने दिए आदेश, सहसपुर में इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस समेत कई प्रॉपर्टी शामिल

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! स्योहारा थाना क्षेत्र के सहसपुर में गोमांस तस्करी के आरोपी गैंगस्टर अतीक अहमद की 168 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया गया है। जालौन के जिला मजिस्ट्रेट ने बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र के सहसपुर स्थित उमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस सहित अन्य संपत्तियों को कुर्क करने का निर्देश दिया है। यह संपत्ति तहसील धामपुर के परगना स्योहारा में स्थित है। इसमें एक अरब अड़सठ करोड़ तेरह लाख बत्तीस हजार छह सौ रुपये मूल्य की भूमि और उमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस शामिल है।

जिला मजिस्ट्रेट जालौन राजेश कुमार पाण्डेय ने गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम-1986 की धारा-14 के तहत यह आदेश पारित किया है। इस आदेश में उप जिलाधिकारी धामपुर, बिजनौर को संपत्ति का रिसीवर नियुक्त किया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट जालौन के आदेश के बाद, पुलिस अधीक्षक जालौन ने निर्देश दिया है कि ग्राम याकूबपुर, परगना स्योहारा, तहसील धामपुर में स्थित इस संपत्ति को 15 दिनों के भीतर नियमानुसार कुर्क किया जाए। कुर्की की रिपोर्ट न्यायालय को उपलब्ध कराई जाएगी।

उप जिलाधिकारी स्मृति मिश्रा ने बताया कि पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी अतीक अहमद पुत्र मोइ्ज उमर, निवासी नई दिल्ली और कस्बा सहसपुर, बिजनौर गैंग लीडर गुलजार के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह चलाता है। यह गिरोह अंतरजनपदीय और अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय है। यह गिरोह कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग कर 'फिश फूड' के नाम पर गोमांस की तस्करी करता था।

मथुरा की फोरेंसिक लैब जांच में वाहन पर लदे डिब्बों में गोमांस की पुष्टि हुई थी। आरोपी अतीक अहमद के खिलाफ बिजनौर के स्योहारा थाने और जनपद जालौन में कई मामले दर्ज हैं। कुर्क की जाने वाली संपत्ति में ग्राम याकूबपुर की गाटा संख्याओं 10 की कुल भूमि और गाटा संख्या 46, 102, 40, 52, 54, 47 पर निर्मित उमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस भवन शामिल है।

वही इस मामले में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद बिजनौर के स्योहारा क्षेत्र में उमर इंटरनेशनल नाम से एक स्लाटर हाउस स्थित है जो कुछ सालों से बन्द था लेकिन बीच में प्रदूषण विभाग से एनओसी जारी कर इसको संचालित करने का प्रयास कर रहे थे। जांच के दौरान पता चला कि फर्म के निदेशक अतीक अहमद के खिलाफ जालौन जनपद में गौकशी का मुकदमा दर्ज है। इस मामले में उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि जालौन के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से समन्वय स्थापित कर अतीक अहमद की यहां स्थित सभी संपत्तियों का विवरण तैयार कराया गया। जांच में स्लॉटर हाउस समेत करीब 168 करोड़ रुपये की संपत्तियों का ब्योरा तैयार कर जालौन प्रशासन को भेजा गया था।

इसके आधार पर जिलाधिकारी जालौन की ओर से आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें गैंगस्टर एक्ट के तहत उनकी सभी संपत्तियों को कुर्क करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही संयुक्त टीम द्वारा उनकी संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने कार्यालय में फरियादियों की समस्याओं को सुना निस्तारण का दिया निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। सोमवार को पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा आमजनमानस की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना गया।

मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को मौके पर जाकर त्वरित और निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी न होकर गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय और राहत मिल सके। सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाए।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से बदली ममता गुप्ता की जिंदगी, बनीं ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। मिशन से जुड़कर अनेक महिलाओं ने न केवल अपनी आजीविका को सशक्त बनाया है, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी कायम की है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी वाराणसी जनपद के हरहुआ विकासखंड स्थित बहेरिपुर गांव की निवासी ममता गुप्ता की है। ममता गुप्ता, पत्नी मुरारीलाल गुप्ता, अपने तीन बच्चों सहित पांच सदस्यीय परिवार का पालन-पोषण करती हैं। इंटरमीडिएट शिक्षित ममता समूह से जुड़ने से पहले गृहिणी थीं और घरेलू कार्यों के साथ अपने पति की सहायता करती थीं। उनके पति मूंगफली आदि का ठेला लगाकर किसी तरह परिवार का खर्च चलाते थे।

वर्ष 2019 में ममता ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ह्यामाँ लक्ष्मी स्वयं सहायता समूहह्न की सदस्यता ग्रहण की। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने अपनी विभिन्न आवश्यकताओं के लिए ऋण प्राप्त किया। इसी ऋण की सहायता से उन्होंने अपने मकान की मरम्मत कराई तथा घर में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था भी सुनिश्चित की।

समूह से मिले बड़े ऋण और पति के सहयोग से ममता ने केक एवं बेकरी उत्पादों की दुकान शुरू की। क्षेत्र में बेकरी उत्पादों की अच्छी मांग होने के कारण उनका व्यवसाय तेजी से आगे बढ़ा। वर्तमान में इस दुकान से परिवार को औसतन 10 से 12 हजार रुपये प्रतिमाह की आय हो रही है। दुकान का संचालन मुख्य रूप से उनके पति करते हैं, जबकि समय मिलने पर ममता भी इसमें सहयोग करती हैं।

आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए, ममता ने अपने संकुल स्तरीय फेडरेशन के माध्यम से रोजगार का एक और अवसर प्राप्त किया। उनका चयन बैंक सखी के रूप में हुआ। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वह यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की वीरापट्टी शाखा में अपनी सेवाएं दे रही हैं। बैंक सखी के रूप में वह स्वयं सहायता समूहों तथा ग्रामीण ग्राहकों को खाता खोलने, जमा-निकासी, पेंशन, बीमा एवं अन्य बैंकिंग सेवाओं में सहयोग प्रदान करती हैं।

एसडीएम ने ग्राम सिरियावां कला में भूमि विवाद की शिकायतों का मौके पर ही कराया निस्तारण

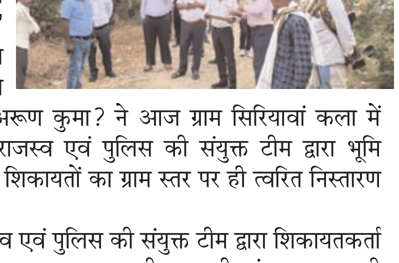

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। राजस्व टीम कौशाम्बी द्वारा "टॉप 10 भूमि विवादों" का मौके पर समाधान" अभियान के अंतर्गत उप जिलाधिकारी,चायल अरूण कुमा? ने आज ग्राम सिरियावां कला में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित 04 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया गया।

कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शिकायतकर्ता महेश कुमार की शिकायत पर ग्राम की आराजी संख्या-295 की पैमाइश कर चिन्हित किया गया तथा इस आराजी पर बनें घरों पर धारा-67 की कार्यवाही शुरू की गई। इसी प्रकार शिकायतकर्ता सुभाष चन्द्र की शिकायत पर आराजी संख्या-22 में पट्टे की भूमि को चिन्हित कर कब्जा दिलाया गया। शिकायतकर्ता सौखी की शिकायत पर आराजी संख्या-244 की मेड़ का चिन्हांकन किया गया। शिकायतकर्ता देवकली की शिकायत पर आराजी संख्या-22 में पट्टे की भूमि को चिन्हित कर कब्जा दिलाया गया।

उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

हादसे की आशंका से डरे ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे, डीएम को सुनाया दुखड़ा

नवाबगंज में हाई वोल्टेज बिजली के तार पर अटके पेड़ ने उड़ाई नींद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। गंगापार स्थित नवाबगंज चौराहे पर बैंक ऑफ बड़ौदा गेट के बगल नीम का पेड़ हाई वोल्टेज बिजली के तार पर अटका हुआ है। करीब पंद्रह दिन पहले रात में तेज आंधी, तूफान और गरज चमक के साथ हुई बरसात से प्रदेश के विभिन्न हिस्से में धन जन की काफी हानि हुई थी। शासन - प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर राहत कार्य और मुआवजा देने का कार्य किया गया था। उसी समय नवाबगंज चौराहे पर भीड़भाड़ वाली जगह पर नीम का पेड़ उखड़कर बिजली के करंट प्रवाहित तार पर अटका हुआ है। ये पेड़ वन विभाग का है।द

हालत यह है कि यह पेड़ ग्यारह हजार वोल्टेज का बिजली तार तोड़कर कभी भी जमीदोज हो सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा का गेट, आसपास दुकानें और प्रयागराज - लखनऊ राजमार्ग, इन हालात ने दुकानदारों और रिहायशी मकान में रहने वाले लोगों की नींद उड़ा दी है।

बेहद गैर जिम्मेदार रहा क्षेत्रीय वन अधिकारी का रवैया

दर्जनों की संख्या में जिला मुख्यालय आये लोगों ने बताया कि इस मामले में करीब दस दिन पहले वन विभाग के स्थानीय अधिकारियों से शिकायत की गई पर नतीजा शून्य निकला। आक्रोशित दुकानदारों ने बताया कि क्षेत्रीय वन अधिकारी पड़िला से कई बार शिकायत की पर उन्होंने बार बार फोन बिजी करने के अलावा शिकायती पत्र की लगातार अनदेखी की। सोमवार को नवाबगंज के दुकानदारों, बाशिंदों ने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से मिलकर समस्या से अवगत कराया। इस दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी के गैर जिम्मेदार रवैए के जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा नेता पंडित सुनील भराला ने की सूर्या की मां से मुलाकात

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक पंडित सुनील भराला ने सोमवार को खोड़ा कॉलोनी में पहुंचकर चर्चित सूर्या हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देते हुए दुख की इस घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

पंडित सुनील भराला ने दिवंगत सूर्या के परिजनों से बातचीत कर घटना की पूरी जानकारी ली तथा परिवार के दर्द को साझा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। एक युवा की इस प्रकार निर्मम हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई होना आवश्यक है, ताकि भविष्य में कोई भी अपराधी कानून व्यवस्था को चुनौती देने का साहस न कर सके।

बिजली,गैस सिलेंडर के बढ़े दामों व अनियमित बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । नगर पंचायत चरवा में विगत दिनों सरकार के द्वारा बिजली के 10% सरचार्ज बढ़ाए जाने व व्यवसायिक गैस सिलेंडर एवं छोटे गैस सिलेंडर और अघोषित अनियमित बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस ने आज चरवा में जोरदार प्रदर्शन किया इस दौरान जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार ने यह सिद्ध कर दिया कि वो गरीबों एवं आम जनता की पार्टी नहीं बल्कि अमीरों की सरकार है वो केवल अमीरों का उद्धार चाहती है बिजली के दामों के 10% वृद्धि कर आमजनता की जेबों पर गहरा प्रभाव डाला है गैस सिलेंडर के दाम को बढ़ाकर व्यापारियों की रोजी रोटी पर चोट दे रही है। इसके साथ ही आमजनता बिजली के अनियमित कटौती एवं बिना किसी रोस्टर के बिजली से परेशान हो चुकी है इस भयंकर गर्मी में। भाजपा सरकार केवल जनता से पैसा लेना जानती है न कि उसके उद्धार चाहती हो। यह भाजपा सरकार ने सिद्ध कर दिया कि वो अमीरों को और अमीर एवं गरीबों

को और गरीब करने वाली सरकार चल रही है । जनता अब इनके मनसूबे को कभी कामयाब नहीं होने देगी । इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने यह भी बताया कि चरवा में टाटा फीडर,काजू फीडर और समूचे नगर में बिना रोस्टर के बिजली दी जा रही है जब चाहते है तब काटते हैं जब चाहते है तब बिजली देते है। लेकिन अब इनकी मनमानी की सीमा पार हो चुकी है अगर इन नियमों में सुधार नहीं हुआ तो हम बड़ा जन आंदोलन करेंगे और जनता को उसका अधिकार दिलाएंगे। और भाजपा सरकार को आम जनता अब इनको इन्हीं के भाषा में जवाब देगी।

इस मौके पर पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास,उदय यादव,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला, श्याम सिंह भदौरिया,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल,नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय, हेमंत रावत, इंद्रपाल रैदास, बिफई लाल,राकेश पाल,व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,रोहित पाल,प्रियांशु त्रिपाठी,आलोक त्रिपाठी, अनिल यादव,बड़का रैदास,मंजीत सिंह,अवधेश कुमार,संदीप कुमार,प्रदीप गौतम,राहुल यादव,सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे !

यू०पी० बोर्ड परीक्षा में जिले के 5 मेधावी छात्र छात्राओं का किया गया सम्मान

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। जनपद के यू०पी० बोर्ड परीक्षा 2026 मे प्रदेश की श्रेष्ठता सूची के टॉप-10 में से जनपद प्रयागराज के 5 मेधावी विद्यार्थियों को लोक भवन लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा एक लाख, एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र, मेडल देकर सम्मानित किया गया। लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद में कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में किया गया। संगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद की श्रेष्ठता सूची के टॉप-10 में स्थान प्राप्त करने वाले 15 मेधावी छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह द्वारा इक्कीस हजार रुपए का चेक, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने सम्बोधन में वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी मेधावी विधार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विधार्थियों की मेहनत, अनुशासन एवं सफलता की सराहना की।उन्होंने विद्यार्थिंयों से कहा कि आपका यह जीवन केवल आपका जीवन नहीं है, यह समाज की पूंजी है तथा देश की सम्पत्ति है, आपको इसी भाव के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि एक लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति के लिए अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। युवा पीढ़ी की उपलब्धियां ही राष्ट्र के सशक्त और विकसित

भविष्य की आधारशिला है। महापौर ने इस अवसर पर विद्यार्थिंयों के साथ ही उनके अभिभावकों एवं गुरूजनों को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने मेधावियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना है बल्कि आगामी परीक्षा में प्रदेश के टॉप-10 में अपना स्थान निश्चित करना है। इण्टर के विद्यार्थी अपना लक्ष्य निश्चित करें और ध्यान रखें कि संकल्प का कोई विकल्प नहीं होना चाहिए कडी मेहनत कर अपना लक्ष्य प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस सफलता और मेहनत की निरंतरता को बनाये रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस प्रारम्भिक सफलता को अन्तिम सफलता न माने। एक प्लेटफार्म मिला है, जिससे आपका अपनी प्रतिभा के प्रति आत्मसंदेह दूर हुआ है तथा यह सफलता आपके जीवन की अच्छी शुरूआत है। इस प्रारम्भिक सफलता से जीवन में और अधिक कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सफलता उसी को मिलती है, जो निरंतरता के साथ कड़ी मेहनत करता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत के बावजूद असफलता मिल सकती है, लेकिन हमें इस असफलता से बिना डरे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखना है।जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट में जनपद का परीक्षाफल राज्य के औसत परीक्षाफल से अधिक रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों का उत्साह वर्धन होगा साथ ही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से नई ऊचाँई की ओर बढेंगे। संचालन डॉ० प्रभाकर त्रिपाठी एवं आभार विजय सिंह यादव, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर मेधावी छात्र छात्राओं के प्रधानाचार्य, शिक्षक सहित सह जिला विद्यालय निरीक्षक, विजय सिंह यादव, सहित डॉ० बी०एस०यादव, केके त्रिपाठी, किरन राय, रणविजय, खेल सचिव बृजेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

रामयश महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम हुआ शुभारंभ

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सोमवार को क्षेत्र मलाक बलऊ नवाबगंज स्थित राम यश महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। अभियान में प्रबंधक संगम लाल मिश्र ने छात्र- छात्राओं के बीच नशा के दुष्प्रभाव, छात्रों के भविष्य और समाज के प्रति हमारी जिम्मेवारी के बारे में बताया। प्राचार्य डॉ विकास कुमार प्रभात ने छात्र छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलायी।

इस मौके पर उन्होंने बताया कि नशे की लत व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से कमजोर बनाती है जिससे उज्ज्वल भविष्य और करियर प्रभावित हो जाता है। एनएसएस कार्यक्रमाधिकारी विवेक मित्र ने बताया कि हमारा समाज नशा से पीड़ित न हो इसलिए हम सभी शिक्षक और छात्र मिलकर इस अभियान को घर घर तक पहुंचाकर समाज को नशा मुक्त करने का संकल्प लिए। इस कार्यक्रम एन.सी.सी. ए. एनओ आशीष सरोज रोहित मित्र, नीरज शुक्ला एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहें।

पारिवारिक रंजिश में चापड़ से अधेड़ की हत्या, प्रेम विवाह बना विवाद की वजह

घूरपुर के करमा गांव में आधी रात वारदात, बेटियों ने आरोपित को हमला करते देखा, पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र स्थित करमा चौकी के चकिया डेरा में पारिवारिक रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। रविवार आधी रात घर के बाहर सो रहे एक अधेड़ की चापड़ से हमला कर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में कुछ माह पहले हुए प्रेम विवाह को लेकर दोनों परिवारों के बीच चल रहा विवाद घटना की वजह माना जा रहा है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

खबर

चकिया डेरा निवासी 55 वर्षीय तिलकधारी पुत्र स्व. रामदुलार सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। रविवार रात वह घर के बाहर सो रहे थे। रात करीब दो बजे उनके पट्टीदार विशाल ने कथित रूप से उन पर चापड़ से हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से तिलकधारी की मौके पर ही मौत हो गई।

हमले की आवाज सुनकर घर में सो रहीं उनकी बेटियां जाग गईं। परिजनों का कहना है कि बेटियों ने विशाल को तिलकधारी पर हमला करते देखा और शोर मचाया, लेकिन तब तक आरोपित मौके से फरार हो चुका था।

पुलिस जांच में सामने आया है कि तिलकधारी के छोटे भाई के बेटे ने कुछ माह पहले विशाल की बहन से प्रेम विवाह किया था। दोनों बालिग थे और लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। परिवारों के विरोध के बीच दोनों घर छोड़कर चले गए थे। शिकायत मिलने पर पुलिस ने दोनों को बरामद किया, लेकिन बालिग होने और साथ रहने की इच्छा जताने पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। बाद में दोनों की शादी हो गई और तनाव कम करने के लिए उन्हें बाहर भेज दिया गया था। हालांकि विवाह के बाद भी दोनों परिवारों के बीच नाराजगी और तनाव बना रहा। पुलिस का मानना है कि इसी रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया गया।

मृतक तिलकधारी अपने पीछे पत्नी शिमला, दो बेटे और चार बेटियां छोड़ गए हैं। इनमें एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि तीन बेटियों की शादी अभी बाकी है।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अतुल मिश्रा ने बताया कि फरार आरोपित विशाल की तलाश में दबिश दी जा रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

राज्य कर्मचारी का दर्जा देने व बकाया मानदेय के लिए ग्राम रोजगार सेवकों ने सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज । पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश कार्यकारिणी के आवाह्न के क्रम मे 2 जून से कलमबंद हड़ताल का ज्ञापन ग्राम रोजगार सेवक संघ के कौड़िहार ब्लाक अध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व मे मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी एडीओ आइएसबी देवीदीन को सौंपा गया जिसमे 18 वर्षों से ग्राम पंचायत मे कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों को नियमित करते हुए राज्य कर्मचारी का दर्जा देने एवं 17 माह के बकाए मानदेय का भुगतान करने सहित अन्य मांगें भी शामिल है और मांगे न मानने पर पूरे प्रदेश के ग्राम रोजगार सेवक बड़े आन्दोलन को बाध्य होंगे ज्ञापन देने वालों मे प्रमुख रूप से ब्लाक महामंत्री सत्यम गुप्ता राकेश पटेल अवधेश सरोज संदीप कुमार राजेश कुमार राकेश यादव अशोक मिश्र मासूक अहमद ओमप्रकाश पाल उपस्थित रहें।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में बड़ा खुलासा, रिमांड पर लिए गए आसिफ दुरार्नी की निशानदेही पर तमंचा बरामद

करेली पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त .315 बोर तमंचा और खोखा कारतूस बरामद किया, आर्म्स एक्ट की धारा बढ़ाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज के चर्चित प्रॉपर्टी डीलर
हत्याकांड की जांच में करैली पुलिस को अहम सफलता मिली है। हत्या के आरोप में जेल में बंद आरोपी आसिफ दुरार्नी को पुलिस ने न्यायालय से कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की। उसकी निशानदेही पर सोमवार को ऐनुद्दीनपुर टंकी के पास से हत्या में प्रयुक्त .315 बोर का अवैध तमंचा और एक खोखा कारतूस बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार थाना करैली में दर्ज मुकदमा संख्या 69/2026 में आरोपी आसिफ दुरार्नी पुत्र हाशिम, निवासी कसारी मसारी (धूमनगंज) को नैनी जेल से रिमांड पर लिया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार के बारे में जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस ने बरामदगी की कार्रवाई की।

बरामदगी के बाद मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 की बढ़ोत्तरी कर दी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे पुनः न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आसिफ दुरार्नी पर हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, धमकी, मारपीट और गोवध निवारण अधिनियम समेत कई गंभीर मामलों में पहले से मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस टीम

बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आशीष सिंह, उपनिरीक्षक रमेश सिंह, कांस्टेबल सुमित कुमार सिंह, सचिन कुमार, अवधेश गिरी, युवराज सिंह तथा रीडर कांस्टेबल मनोहर यादव शामिल रहे।

रेलवे पटरी चोरी करने में 4 गिरफ्तार, डीसीएम, कार और 2 गैस सिलेंडर बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नैनी पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।पुलिस ने बताया कि इनके कब्जे से चोरी की रेलवे लाइन की पटरी लदी हुई डीसीएम व घटना में प्रयुक्त दो ऑक्सीजन गैस सिलेंडर बरामद किया गया है। कई साल से बंद चल रही टीएसएल कम्पनी में रेलवे लाइन की पटरी को गैस कटर से काटकर चोरी करके डीसीएम पर लादकर ले जाने की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान चोरी की रेलवे लाइन की पटरी (20 फिट 10 इंच के 20 पीस, 6 फीट 4 इंच के 19 पीस तथा 5 फीट 2 इंच के 21 पीस) लदे हुए वाहन (डीसीएम), एक कार हुंडई वरना कम्पनी तथा घटना में प्रयुक्त दो ऑक्सीजन गैस सिलेंडर बरामद किया गया।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में राकेश पटेल निवासी देवरख अरैल थाना नैनी जनपद प्रयागराज, शर्मा राजपूत निवासी लोदन का पुरवा थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर, किशन निषाद निवासी एडीए कालोनी थाना नैनी जनपद प्रयागराज और सोनू निवासी घोघापुर थाना औद्योगिक क्षेत्र जनपद प्रयागराज शामिल हैं। इन चारों को नैनी क्षेत्र के टीएसएल कम्पनी के बाहर प्रयागराज मिजार्पुर हाइवे से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाने में धारा 303(2)/317(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में अभियुक्त शर्मा राजपूत द्वारा बताया गया कि वह डीसीएम का ड्राइवर है।

उसे किराये पर बुलाया गया था और बताया था कि रेलवे की पटरी टीएसएल कम्पनी से लेकर जाना है। टीएसएल कम्पनी के पीछे रेलवे लाइन पर गये और कटी हुई रेलवे की पटरियों को डीसीएम में लोड किया तथा लोड करके प्रयागराज शहर की तरफ जा रहे थे तभी पकड़ लिए गये।

महानगर अध्यक्ष ने केशव मौर्य से मिलकर प्रयागराज की राजनीति पर की चर्चा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के लखनऊ स्थित कैंप कार्यालय में कार्यकताओं के साथ मुलाकात कर विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर उनका मार्गदर्शन लिया व विस्तार से चर्चा की। इस दौरान प्रयागराज जिले की राजनीति पर वार्ता हुई। महानगर अध्यक्ष ने डिप्टी सीएम द्वारा संगम नगरी प्रयागराज में भी सेना के शौर्य को समर्पित संग्रहालय की मांग के लिए उन्हें महानगर के कार्यकताओं पदाधिकारियों व नागरिकों की ओर से धन्यवाद दिया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकताओं से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से लग जाने का आह्वान किया। श्री मौर्य ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा जो भी अभियान दिया गया है उसे लगन व मेहनत से पूरा करने का प्रयास करें। इस दौरान महानगर महामंत्री डॉ शैलेश पांडेय, पार्षद राजू शुक्ला, विजय द्विवेदी, डॉ रवींद्र प्रताप, अनिल गोस्वामी, हरीश पासवान, निर्दोष सिंह गोलू, मयंक दुबे, पीयूष जायसवाल, संदीप यादव आदि उपस्थित रहे।

फूलपुर पुलिस ने चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । फूलपुर कोतवाली पुलिस ने 6 माह पहले धान गोदाम में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिखा पढ़ी करते हुए जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक फूलपुर ने बताया कि 14. दिसंबर.2025 की रात्रि में धान के गोदाम में पीछे लगे दरवाजे के ताले को तोड़कर धान की बोरी चोरी कर लिया गया था। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर चोरी की घटना खुलासे के लिए टीम लगाकर सोमवार चोरी का वांछित अभियुक्त आशीष भारतीया पुत्र स्व0 भागीरथी निवासी ग्राम जनुआडीह कला थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत महजुदवा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 शेषनाथ पाल, थाना फूलपुर. उ0नि0 शैलेन्द्र कुमार. का0 अर्जुन सिंह, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बहरिया पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

बहरिया । थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा सोमवार को जानलेवा हमले से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त रोहित पुत्र संतोष कुमार निवासी ग्राम मालीपुर थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना बहरिया क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम मालीपुर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

मेजा में डंपर ने युवक को कुचला, मौत; परिजनों ने सड़क जाम कर किया हंगामा

क्रशर प्लांट में खलासी के रूप में करता था काम, चालक पर लापरवाही का आरोप; तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । मेजा थाना क्षेत्र स्थित भटौती क्रशर प्लांट में सोमवार को डंपर की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने सड़क जाम कर हंगामा किया और चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस के समझाने-बुझाने के बाद जाम समाप्त हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खबर

मेजा थाना क्षेत्र के धरावल गांव निवासी 20 वर्षीय कौशलेश कोल पुत्र रामबाबू कोल भटौती स्थित मां शारदा स्टोन क्रशर प्लांट में ट्रक खलासी के रूप में कार्य करता था। सोमवार सुबह वह रोज की तरह काम पर पहुंचा था। इसी दौरान प्लांट परिसर में एक डंपर ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद प्लांट के कर्मचारी उसे तत्काल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और शव को गायब करने का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजन डंपर चालक की गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

सूचना पर पहुंची मेजा पुलिस ने काफी देर तक समझाइश कर परिजनों को शांत कराया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ। मृतक के पिता रामबाबू कोल की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मेजा थाना प्रभारी दीनदयाल सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद मृतक की मां विटोला देवी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। कौशलेश अविवाहित था और परिवार की मदद के लिए क्रशर प्लांट में खलासी का काम करता था।

रोडवेज के एआरएम 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

जीरो रोड डिपो में एंटी करप्शन की ट्रैप कार्रवाई, परिचालक की ड्यूटी और सर्विस बुक प्रविष्टि ठीक कराने के नाम पर मांगी थी घूस

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की टीम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए रोडवेज के जीरो रोड डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) अरविंद कुमार मिश्र को 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद रोडवेज विभाग में हड़कंप मच गया।

एंटी करप्शन संगठन के अनुसार, धूमनगंज क्षेत्र के पीपलगांव उर्फ शाहपुर निवासी संगम सोनकर ने शिकायत की थी कि जीरो रोड डिपो के एआरएम अरविंद कुमार मिश्र उनसे और उनके एक साथी परिचालक से जुड़े कार्यों के बदले रिश्वत मांग रहे हैं। आरोप था कि मिजार्पुर-शक्तिनगर मार्ग पर परिचालक की ड्यूटी सुचारु रूप से संचालित कराने तथा एक अन्य परिचालक की सर्विस बुक में वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि सही कराने के एवज में 8 हजार रुपये की मांग की गई थी।

शिकायत के सत्यापन के बाद एंटी करप्शन संगठन के निरीक्षक रविंद्र सिंह के नेतृत्व में 13 सदस्यीय ट्रैप टीम ने सोमवार को राजापुर स्थित एआरएम कार्यालय में छापा मारा।

टीम ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम लेते समय अरविंद कुमार मिश्र को रंगेहाथ पकड़ लिया।

गिरफ्तार एआरएम अरविंद कुमार मिश्र मूल रूप से वाराणसी के फूलपुर थाना क्षेत्र के परसरा गांव के निवासी हैं और वर्तमान में राजापुर स्थित रोडवेज गेस्ट हाउस के पास सरकारी आवास में रह रहे थे।

एंटी करप्शन टीम की तहरीर पर कैंट थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस और एंटी करप्शन संगठन आगे की विधिक कार्रवाई में जुटे हैं।

ट्रक की टक्कर से महिला की मौत, हंगामे के बाद करमा चौकी प्रभारी निलंबित

तीन घंटे तक चला चक्का जाम, स्वजनों से अभद्रता के आरोप पर भड़के ग्रामीण; चालक फरार, ट्रक कब्जे में

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र की करमा चौकी अंतर्गत राजापुर धर्मकांटा के पास सोमवार दोपहर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे करमा चौकी प्रभारी पर घायल युवक और मृतका के परिजनों से अभद्रता करने का आरोप लगा, जिससे ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। नाराज लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद चौकी प्रभारी के निलंबन और अन्य मांगों पर कार्रवाई के आश्वासन पर मामला शांत हुआ।

बारा थाना क्षेत्र के छिड़ी गांव निवासी 42 वर्षीय रेखा देवी उर्फ लाची पत्नी फूलचंद्र सोनकर अपने भांजे नीरज सोनकर के साथ बाइक से औद्योगिक थाना क्षेत्र के मसिका गांव जा रही थीं। बताया गया कि उनके भतीजे का हाल ही में ऑपरेशन हुआ था और वह उसे देखने जा रही थीं। दोपहर करीब एक बजे राजापुर धर्मकांटा के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में रेखा देवी सड़क पर गिर गईं और ट्रक की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि

नीरज घायल हो गया।

हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान करमा चौकी प्रभारी राजेश कुमार राय पुलिस बल के साथ पहुंचे। आरोप है कि भीड़ को हटाने के दौरान उन्होंने बल प्रयोग किया और घायल युवक व मृतका के स्वजनों से अभद्र व्यवहार किया।

इससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया तथा उन्होंने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

स्थिति बिगड़ने पर एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान, घूरपुर थाना प्रभारी अतुल कुमार मिश्र समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में एसडीएम करछना, एसीपी करछना और एसीपी बारा ने भी ग्रामीणों से वार्ता की, लेकिन लोग चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

करीब तीन घंटे तक चले जाम के बाद अधिकारियों ने चौकी प्रभारी को तत्काल निलंबित करने, विभागीय जांच कराने, ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने तथा मृतका के परिजनों को शासन स्तर से आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना और जाम समाप्त कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए ट्रक को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

दो शताब्दियों की स्वर्णिम यात्रा : हिंदी पत्रकारिता का अद्भुत उत्कर्ष

समाचार केवल घटनाओं का विवरण नहीं होते, वे समय का इतिहास भी लिखते हैं। समाज की धड़कनों को शब्द देने वाली पत्रकारिता किसी भी राष्ट्र की चेतना का दर्पण होती है। वर्ष 2026 हिंदी पत्रकारिता के लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आया है, क्योंकि हिंदी पत्रकारिता अपने गौरवपूर्ण 200 वर्ष पूरे कर रही है। यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन, उपलब्धियों के मूल्यांकन और भविष्य की दिशा तय करने का भी है।

30 मई 1826 को उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी गई थी। उस समय न तो संसाधनों की प्रचुरता थी और न ही पाठकों का व्यापक आधार। फिर भी हिंदी पत्रकारिता ने अपने पहले कदम से ही जनजागरण और समाज सुधार का लक्ष्य निर्धारित कर लिया था। यही कारण है कि धीरे-धीरे यह भारतीय जनमानस की आवाज बनती चली गई।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। समाचार पत्रों ने विदेशी शासन की दमनकारी नीतियों को उजागर किया और स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। अनेक पत्रकारों और संपादकों ने जेल की यातनाएं सहीं, आर्थिक संकट झेले और प्रतिबंधों का सामना किया, लेकिन कलम की शक्ति को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। हिंदी पत्रकारिता ने राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने में जो योगदान दिया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है।

स्वतंत्रता के बाद हिंदी पत्रकारिता ने लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। यह सत्ता और जनता के बीच संवाद का माध्यम बनी। भ्रष्टाचार, सामाजिक विषमताओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास जैसे विषयों को प्रमुखता देकर पत्रकारिता ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समय के साथ हिंदी पत्रकारिता का विस्तार अभूतपूर्व रूप से हुआ। आज हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली और पढ़ी जाने वाली भाषाओं में शामिल है। समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, समाचार चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने हिंदी पत्रकारिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हिंदी पत्रकारिता का प्रभाव गांवों से लेकर वैश्विक मंच तक दिखाई देता है।

हालांकि आधुनिक दौर नई चुनौतियां भी लेकर आया है। सूचना की तीव्र गति के बीच सत्य और असत्य का अंतर करना कठिन होता जा रहा है। फेक न्यूज, अफवाहें, सनसनीखेज प्रस्तुतिकरण और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा पत्रकारिता की विश्वसनीयता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। ऐसे समय में पत्रकारिता के मूल मूल्य–सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व और जनहित–को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है।हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष इस बात का प्रमाण हैं कि भाषा और विचार की शक्ति किसी भी समाज को बदल सकती है। यह यात्रा संघर्ष, समर्पण, साहस और जनसेवा की भावना से परिपूर्ण रही है। पत्रकारिता ने केवल समाचार नहीं दिए, बल्कि समाज को सोचने, समझने और जागरूक बनने की प्रेरणा भी दी है।आज जब हम हिंदी पत्रकारिता की दो शताब्दियों का उत्सव मना रहे हैं, तब हमें उन सभी पत्रकारों, लेखकों, संपादकों और मीडिया कर्मियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करना चाहिए जिन्होंने अपने श्रम और प्रतिबद्धता से इस परंपरा को समृद्ध बनाया।

शिक्षा का व्यापार: गरीब और मध्यम वर्ग के माता-पिता को कहां जाएं

शिक्षा को हमेशा समाज की सबसे बड़ी ताकत माना गया है। स्कूल और कॉलेज ज्ञान के मंदिर कहे जाते थे, जहां बच्चों के सपनों को आकार मिलता था और उनके भविष्य की नींव रखी जाती थी। लेकिन आज शिक्षा धीरे-धीरे सेवा से अधिक व्यापार बनती जा रही है। महंगे निजी स्कूल, बढ़ती फीस, कोचिंग संस्थानों का विस्तार और शिक्षा के नाम पर दिखावा–इन सबने शिक्षा को एक बड़े उद्योग में बदल दिया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि गरीब और मध्यम वर्ग के माता-पिता आखिर अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए कहां जाएं

आज एक सामान्य परिवार के लिए बच्चों की शिक्षा सबसे बड़ा आर्थिक बोझ बन चुकी है। स्कूलों की फीस हर साल बढ़ती जा रही है। प्रवेश शुल्क, वार्षिक शुल्क, परिवहन शुल्क, स्मार्ट क्लास शुल्क, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य गतिविधियों का खर्च मिलाकर शिक्षा आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही है। कई माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए अपनी जरूरतों में कटौती करते हैं। कुछ लोग कर्ज लेते हैं, तो कुछ अपनी बचत खत्म कर देते हैं। फिर भी उनके मन में यह डर बना रहता है कि यदि बच्चे को महंगे स्कूल में नहीं पढ़ाया गया, तो उसका भविष्य कमजोर हो जाएगा।

निजी स्कूलों और कॉलेजों के बीच प्रतिस्पर्धा अब शिक्षा से अधिक व्यवसायिक हो गई है। बड़े-बड़े भवन, वातानुकूलित कक्षाएं, चमकदार विज्ञापन और विदेशी पाठ्यक्रमों का आकर्षण माता-पिता को प्रभावित करता है। स्कूल अपने परिणामों और सुविधाओं को ऐसे प्रस्तुत करते हैं जैसे वे कोई कॉर्पोरेट कंपनी हों। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या केवल महंगी इमारतें और अंग्रेजी बोलना ही अच्छी शिक्षा का प्रमाण हैं वास्तविक शिक्षा वह है जो बच्चों में सोचने की क्षमता, नैतिक मूल्य, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास विकसित करे।

सरकारी स्कूलों की स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है। कई जगहों पर शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत सुविधाएं और संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण लोग सरकारी स्कूलों पर भरोसा खोते जा रहे हैं। हालांकि अनेक सरकारी स्कूल उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, फिर भी समाज में यह धारणा बन गई है कि अच्छी शिक्षा केवल निजी स्कूलों में ही मिल सकती है। यही सोच शिक्षा के व्यापारीकरण को और बढ़ावा देती है।

कोचिंग और ट्यूशन संस्कृति ने भी शिक्षा को महंगा बना दिया है। बच्चे स्कूल के बाद घंटों कोचिंग संस्थानों में बिताते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अब एक अलग उद्योग बन चुकी है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार इस अतिरिक्त खर्च को वहन करने में कठिनाई महसूस करते हैं। दूसरी ओर, बच्चों पर अंक और रैंक लाने का मानसिक दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस व्यवस्था में सबसे अधिक संघर्ष मध्यम वर्ग करता है। अमीर वर्ग आसानी से महंगी शिक्षा खरीद सकता है और गरीब वर्ग को कुछ सरकारी योजनाओं का लाभ मिल जाता है, लेकिन मध्यम वर्ग अक्सर दोनों के बीच फंस जाता है। उनकी आय इतनी नहीं होती कि वे बिना चिंता के भारी फीस भर सकें, और न ही उन्हें पर्याप्त सहायता मिलती है। वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुपचाप संघर्ष करते रहते हैं।

यदि शिक्षा केवल पैसे वालों तक सीमित हो जाए, तो समाज में असमानता और बढ़ेगी। शिक्षा का उद्देश्य समाज में समान अवसर प्रदान करना और लोगों को सशक्त बनाना है। इसलिए सरकारों को चाहिए कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारी जाए, फीस नियंत्रण के लिए प्रभावी नीतियां बनाई जाएं और हर बच्चे के लिए सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए।

शिक्षा को व्यापार नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर समाज और मजबूत राष्ट्र निर्माण का आधार है। यदि शिक्षा पूरी तरह बाजार की वस्तु बन गई, तो गरीब और मध्यम वर्ग के लाखों बच्चों के सपने अधूरे रह जाएंगे।

किसी देश की असली प्रगति उसके महंगे स्कूलों से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि वहां हर बच्चे को समान और सम्मानजनक शिक्षा मिल रही है या नहीं।

पूर्वांचल में सपा के पीडीए के खिलाफ बीजेपी का पीडीवी दांव

अजय कुमार

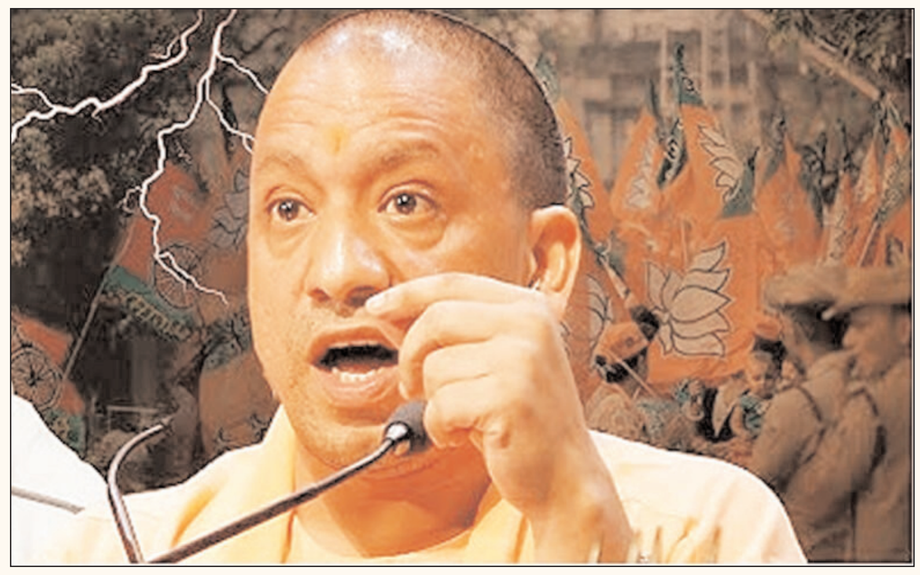

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की गरमा गरमी के बीच भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वांचल में संगठन मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने आलाकमान से विचार-विमर्श के बाद पूर्वांचल के पांच जिलों अंबेडकरनगर, वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर महानगर और देवरिया के नए जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इस घोषणा में जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। दो जिलों में ओबीसी, एक में दलित, एक में वैश्य और एक में क्षत्रिय चेहरे को जिम्मेदारी सौंपकर भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधने का स्पष्ट संदेश दिया है। नये जिलाध्यक्षों का बारीकी से आकलन किया जाये तो बीजेपी की 2027 के विधान सभा चुनाव के लिये रणनीति साफ नजर आती है। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) की काट के लिये बीजेपी पीडीवी(पिछड़ा-दलित-वैश्य) वाला वोट बैंक तैयार कर रही है।

अंबेडकरनगर में भाजपा ने दिलीप देव पटेल को नया जिलाध्यक्ष बनाया है। पहले यहां त्रयंबक त्रिपाठी जिलाध्यक्ष थे। दिलीप देव पटेल को संगठन में लंबे अनुभव और ओबीसी समाज में मजबूत पकड़ के चलते जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी इसे सामाजिक संतुलन और संगठन विस्तार के लिहाज से अहम मान रही है। गोरखपुर महानगर में रमेश कुमार गुप्ता को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। देवेश श्रीवास्तव के निधन के बाद यह पद खाली चल रहा था। पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता महानगर संयोजक के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। रमेश कुमार गुप्ता को जिम्मेदारी देकर भाजपा ने वैश्य समाज को साधने का स्पष्ट संदेश दिया है। गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक गढ़ माना जाता है, इसलिए यहां संगठन की कमान मजबूत और अनुभवी चेहरे को सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा है।

देवरिया में भाजपा ने काली प्रसाद को नया जिलाध्यक्ष बनाया है। इससे पहले यह जिम्मेदारी भूपेन्द्र सिंह के पास थी। पार्टी ने दलित समाज से आने वाले चेहरे पर भरोसा जताकर सामाजिक समीकरण मजबूत करने की कोशिश की है। संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहने के कारण काली प्रसाद को जमीनी कार्यकर्ता के रूप में पहचान मिली हुई है। वाराणसी में राम सकल पटेल को जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जिन्होंने हंसराज विश्वकर्मा की जगह ली है। हंसराज विश्वकर्मा के योगी सरकार में मंत्री बनने के बाद यह पद खाली हो गया था। राम सकल पटेल लंबे समय से वाराणसी में संगठन के कार्यों से जुड़े रहे हैं और उनकी जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है। चंदौली में काशीनाथ सिंह को दोबारा जिलाध्यक्ष बनाए रखा गया है। वे संगठन के पुराने और सक्रिय नेताओं में गिने जाते हैं और पार्टी नेतृत्व ने उनके अनुभव और संगठन क्षमता को देखते हुए निरंतरता बनाए रखने का फैसला किया है। नये जिलाध्यक्षों का जातीय आधार पर विश्लेषण किया जाये तो साफ लगता है कि भाजपा के नेतृत्व द्वारा नई टीम समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) गठबंधन की सीधी काट के रूप में तैयार की जा रही है। भाजपा ने जानबूझकर ओबीसी, दलित और वैश्य समाज के चेहरों को मजबूत पदों पर लाने से सपा का पीडीए वोट-बैंक कमजोर कर दिया है। अब ये समुदाय भाजपा को अपनी ओर खींचने वाले अपने चेहरे देख रहे हैं, जिससे सपा की पकड़ ढीली होगी। समाजवादी पार्टी को इस फैसले से तीन स्तर पर गहरा नुकसान हो सकता है। पहला, अंबेडकरनगर जैसे जातीय रूप से संवेदनशील जिले में ओबीसी कुर्मी चेहरा दिलीप देव पटेल आने से सपा का पिछड़ा वोट-बैंक दरक सकता है। यहाँ पहले ब्राह्मण नेता त्रयंबक त्रिपाठी जिलाध्यक्ष थे, लेकिन अब ओबीसी चेहरा आने से पिछड़े वर्ग का समर्थन भाजपा की ओर मुड़ सकता है। दूसरा, गोरखपुर महानगर जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक गढ़ है,में वैश्य समाज के रमेश कुमार गुप्ता को जिम्मेदारी मिलने से सपा का व्यापारी-वैश्य वर्ग भाजपा की ओर झुक सकता है। देवेश श्रीवास्तव के निधन के बाद खाली पद पर वैश्य चेहरा लाना भाजपा की रणनीति का हिस्सा है। तीसरा, देवरिया में दलित चेहरे काली प्रसाद को लाने से सपा और बसपा का दलित वोट-बैंक कमजोर होगा, क्योंकि भाजपा ने जमीनी कार्यकर्ता के रूप में पहचान वाले दलित नेता को चुनकर सामाजिक समीकरण मजबूत किया है।

भाजपा की यह रणनीति सपा के पीडीए गठबंधन को सीधे तौर पर चुनौती देती है। अब भाजपा ने पिछड़े, दलित और वैश्य समुदायों को अलग-अलग जिलों में नेतृत्व देकर समाजवादी पार्टी को सीमित वोट बैंक वाली पार्टी बना दिया है, जबकि भाजपा अब सामाजिक संतुलन वाला चेहरा दिखा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर में अनुभवी और संगठन से जुड़े चेहरों पर भरोसा जताना भी भाजपा की मजबूत रणनीति है। वर्तमान में भाजपा ने उत्तर प्रदेश के 98 संगठनात्मक जिलों और महानगरों में से 83 जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। मार्च 2025 में 68 जिलों, फरवरी 2026 में 11 जिलों और मई 2026 में अब 5 जिलों के नाम ऐलान हो चुके हैं। इसका मतलब है कि अब केवल 15 जिलों के जिलाध्यक्ष बनना बाकी हैं। इन 15 बाकी जिलों में अयोध्या, सहारनपुर, अमरोहा, शामली, बागपत, मथुरा जिला, मथुरा महानगर, और पूर्वांचल व ब्रज क्षेत्र के कुछ जिले शामिल हैं।

भाजपा की यह तैयारी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए है। पार्टी जानती है कि उत्तर प्रदेश में सत्ता बनाए रखने के लिए सामाजिक गठबंधन मजबूत करना जरूरी है। ओबीसी, दलित और वैश्य समाज को अलग-अलग जिलों में नेतृत्व देकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया है कि वे सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह रणनीति ँच के पीडीए गठबंधन को तोड़ने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है।समाजवादी पार्टी अब इस चुनौती का सामना कैसे करती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। सपा को अपने पीडीए गठबंधन को और मजबूत करना होगा और यह साबित करना होगा कि वे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज की असली आवाज हैं। लेकिन भाजपा ने जमीनी स्तर पर जिला अध्यक्षों की नियुक्ति करके यह स्पष्ट कर दिया है कि वे संगठन विस्तार और सामाजिक संतुलन पर जोर दे रहे हैं।

गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब भाजपा की पिछड़ा-दलित वाली रणनीति का प्रभाव दिखेगा। चुनावी माहौल गरम होने से पहले ही भाजपा ने संगठन मजबूत करके सपा को चुनौती दे दी है। 15 बाकी जिलों में जिलाध्यक्षों की घोषणा होने पर यह और साफ होगा कि भाजपा कहां कितनी मजबूत हो रही है।

सभी 98 जिलों और महानगरों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति पूरी होने के बाद भाजपा का संगठन 2027 चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगा। भाजपा की यह रणनीति सपा के लिए गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि भाजपा ने जानबूझकर ऐसे जिलों में चेहरे चुने हैं जहां सपा का पारंपरिक वोट बैंक है। अब सपा को यह साबित करना होगा कि वे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज की असली आवाज हैं और भाजपा की यह नियुक्ति केवल चालाकी है। लेकिन जमीनी स्तर पर ओबीसी, दलित और वैश्य नेताओं को जिम्मेदारी मिलने से सामान्य कार्यकर्ता और वोटर्स पर भाजपा का असर पड़ेगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 तक समय है, लेकिन भाजपा ने पहले ही अपने संगठन को मजबूत करना शुरू कर दिया है। यह रणनीति सपा के पीडीए गठबंधन को तोड़ने और अपने सामाजिक आधार को विस्तार देने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है।

15 बाकी जिलों में जिलाध्यक्षों की

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम हेट स्पीच

सुप्रीम कोर्ट के 29 अप्रैल 2026 फैसले का व्यापक समग्र विश्लेषण

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)( ) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है, लेकिन अनुच्छेद 19(2) के तहत इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं

हेट स्पीच केवल एक कानूनी समस्या नहीं है यह एक सामाजिक, नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है,भारत में कानूनों की कमी नहीं है, बल्कि उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने की वह सख़्ती से क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है

वैश्विक स्तरपर संचार क्रांति ने जिस गति से समाज को बदला है,वह अभूतपूर्व है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और 247 ब्रॉडकास्ट मीडिया के विस्तार ने सूचना के प्रवाह को इतना तेज बना दिया है कि अब किसी व्यक्ति, चाहे वह आम नागरिक हो,राजनीतिक नेता हो या धार्मिक वक्ता,इनका एक शब्द भी कुछ ही मिनटों में लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। यह तकनीकी प्रगति जहां लोकतंत्र को मजबूत करने, विचारों के आदान-प्रदान और पारदर्शिता बढ़ाने का माध्यम बनी है,वहीं इसके नकारात्मक पहलू भी उतनी ही तेजी से सामने आए हैं। खासकर हेट स्पीच यानें नफरत फैलाने वाले भाषणों ने सामाजिक सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे की भावना के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जब कोई भड़काऊ बयान, अफवाह या सांप्रदायिक टिप्पणी वायरल होती है, तो उसका प्रभाव केवल डिजिटल दुनियाँ तक सीमित नहीं रहता, वह वास्तविक जीवन में तनाव,अविश्वास, हिंसा और यहां तक कि दंगों का कारण बन सकता है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत समेत दुनियाँ के कई देशों में हेट स्पीच को नियंत्रित करने के लिए कानूनों और न्यायिक हस्तक्षेप की मांग तेज हुई है।

इसी पृष्ठभूमि में 29 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसने इस बहस को नई दिशा दी।अदालत ने हेट स्पीच को रोकने के लिए नए दिशानिर्देश बनाने या अतिरिक्त न्यायिक हस्तक्षेप से इनकार करते हुए स्पष्ट कहा कि मौजूदा कानूनी ढांचा इन अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह भी रेखांकित किया कि समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है। यह निर्णय केवल कानूनी दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्रमें शक्तियों के पृथक्करण न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन को भी स्पष्ट करता है।साथियों बात अगर हम हेट स्पीच के खिलाफ दायर याचिकाओं मेंयाचिकाकताओं ने तर्क को समझने की करें तो उन्होंने तर्क दिया था कि वर्तमान कानून अस्पष्ट हैं और उनका प्रभावी तरीके से पालन नहीं हो रहा हैउनका कहना था कि राजनीतिक भाषणों, धार्मिक सभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से फैल रही नफरत समाज में विभाजन को बढ़ा रही है और इसके लिए एक स्पष्ट, सख्त और समग्र कानून की आवश्यकता है। कोरोना जिहाद जैसे विवादित नैरेटिव और विभिन्न धार्मिक मंचों से दिए गए भड़काऊ भाषणों का उदाहरण देते हुएउन्होंने अदालत से मांग की थी कि वह इस दिशा में ठोस दिशानिर्देश जारी करे। लेकिन अदालत ने इन तर्कों को स्वीकार नहीं किया और दोहराया कि कानून बनाने का अधिकार संसद और राज्य विधानसभाओं के पास है, न कि न्यायपालिका के पास।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक न्यायालय कानून की व्याख्या कर सकते हैं और मौलिक अधिकारों को लागू करवा सकते हैं, लेकिन वे खुद कानून नहीं बना सकते। साथियों बात अगर हम इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह यह है कि अदालत ने भारतीय न्यायिक परंपरा को कायम रखते हुए विधायी शून्य (लेजिस्लेटिव वेंक्यूम) की अवधारणा को खारिज किया।

अदालत ने कहा कि भारत में पहले से ही ऐसे कई कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, जो हेट स्पीच से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। उदाहरण के तौर पर, भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराएं जैसे धारा 196 (वैमनस्य फैलाना), धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) और अन्य प्रावधान स्पष्ट रूप से इस तरह के अपराधों को कवर करते हैं। इसके अलावा, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में भी ऐसे प्रावधान हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि संज्ञेय अपराधों के मामलों में एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य हो। अदालत ने यह भी बताया कि यदि पुलिस एफआईआर दर्ज करने में विफल रहती है, तो पीड़ित व्यक्ति पुलिस अधीक्षक या मजिस्ट्रेट के पास जाकर न्याय प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार, कानूनी ढांचे में पर्याप्त उपाय मौजूद हैं,जरूरत है तो केवल उनके सही और समय पर उपयोग की।

तंबाकू को ना, जिंदगी को हाँ

विश्वरूपा रथ
लेखक और कवि
नई दिल्ली

स्मोकिंग न सिर्फ स्मोकर के आस-पास के लोगों पर असर डालती है, बल्कि स्मोकर के आस-पास के लोगों पर भी असर डालती है, क्योंकि स्मोकर अपने आस-पास की हवा में एक नुकसानदायक मिक्सचर खींचता है जो सांस के जरिए अंदर जाता है। इससे पुरानी बीमारियां होती हैं और ब्लड वेसल को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा, तंबाकू के धुएं में कार्सिनोजेनिक एजेंट भी होते हैं जो फेफड़ों के कैंसर का कारण बनते हैं।

ऐसे जहरीले माहौल में रहने वाली प्रेग्नेंट महिलाओं को मिसकैरेज, समय से पहले जन्म वगैरह का खतरा भी हो सकता है।

तंबाकू से होने वाले खतरनाक हेल्थ रिस्क:

पैंक्रियाटिक कैंसर - हॉर्मोन प्रोडक्शन के जरिए डाइजेशन के लिए ज़िम्मेदार ऑर्गन तंबाकू के धुएं से जहरीला होने के कारण डैमेज हो जाता है। तंबाकू के धुएं में मौजूद टॉक्सिन फेफड़ों से ब्लडस्ट्रीम के जरिए सीधे पैंक्रियास में पहुंच जाते हैं जहां वे पैंक्रियाटिक सेल्स को नुकसान पहुंचाते हैं।

फेफड़ों का कैंसर - फेफड़ों के कैंसर के लगभग 75% मरीज स्मोकर होते हैं। लेकिन, कुछ मासूम लोग भी हैं जिन्हें तंबाकू प्रोडक्ट्स से निकलने वाले जहरीले धुएं में सांस लेने के बाद इस बीमारी का असर होने का ज्यादा चांस होता है, जिसमें कुछ खतरनाक टॉक्सिन होते हैं।

स्ट्रोक - तंबाकू के नशेड़ी लोगों को स्ट्रोक होने का खतरा ज्यादा होता है। स्मोकिंग करने वालों को भी यही प्रॉब्लम होती है क्योंकि तंबाकू के धुएं में मौजूद नुकसानदायक चीजें दिमाग की ब्लड वेसल को नुकसान पहुंचाती हैं और टिशू तक ऑक्सीजन की सप्लाई कम कर देती हैं। हालांकि, स्मोकिंग की आदत छोड़कर इससे बचा जा सकता है।

ओरल कैंसर - गुटखा, खैनी वगैरह जैसे बिना धुएं वाले तंबाकू का रेगुलर इस्तेमाल करने से ओरल कैंसर हो सकता है।

हर साल लगभग 1 लाख लोगों में ओरल कैंसर का पता चलता है। अगर शुरूआती स्टेज में पता चल जाए, तो यह ठीक हो सकता है। लेकिन पहले से बचाव के उपाय करना हमेशा समझदारी है।

"हेल्थ ही वेल्थ है"। जब हमें पता हो कि हम जल जाएंगे, तो यह आग में कूदने जैसा है। तंबाकू की लत की प्रॉब्लम से बाहर आने के कई तरीके हैं। बबल गम चबाना, आंवले खाना, खूब पानी पीना वगैरह जैसे कई नेचुरल तरीके, डिटॉक्स करने के साथ-साथ तंबाकू पीने की इच्छा को भी कम करते हैं। मिर्च, जिनसेंग वगैरह जैसी जड़ी-बूटियाँ डोपामाइन के निकलने को कम करती हैं और इसलिए तंबाकू की लत कम होती है। इसके अलावा, निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी और डॉक्टर की लिखी दवाओं सहित कई तरह के मेडिटेशन हैं। इसके अलावा, टेक्नोलॉजी के जमाने में, स्मोक फ्री और क्विटनाउ जैसे कई मोबाइल फोन ऐप हैं, जो तंबाकू का इस्तेमाल कम करने के डिजिटल तरीके बताते हैं।

यह स्मोकिंग के बुरे असर के बारे में जागरूकता फैलाने और बहुत देर होने से पहले सभी स्मोकर या तंबाकू इस्तेमाल करने वालों को बचाने का सही समय है। बहुत देर होने से पहले अपने बारे में और आस-पास के हालात के बारे में जागरूक रहें।

मुश्किल में है आधी आबादी की आवाजाही

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में किसी बस स्टॉप पर खड़ी स्त्री का दृश्य सामान्य प्रतीत हो सकता है, लेकिन यदि हम उसे थोड़ा गहराई से देखें तो वह केवल एक यात्री नहीं दिखाई देती। वह अपने साथ समाज की अनेक परतें, संघर्ष, उम्मीदें और सवाल लेकर खड़ी होती है। वह बस का इंतजार कर रही होती है, लेकिन साथ ही वह अपने अधिकारों, अवसरों और सम्मानजनक अस्तित्व की भी प्रतीक्षा कर रही होती है। विडंबना यह है कि जिस दृश्य को हम प्रतिदिन देखते हैं, उसके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अर्थों को समझने की कोशिश बहुत कम करते हैं।

भारतीय समाज में पुरुष और महिला की सार्वजनिक उपस्थिति को लेकर आज भी एक बड़ा अंतर मौजूद है। यदि रात के समय कोई पुरुष सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे, बस का इंतजार करता मिले या किसी चाय की दुकान पर बैठा हो, तो यह एक सामान्य बात मानी जाती है। लेकिन यदि वही दृश्य किसी महिला के साथ हो तो अनेक प्रश्न स्वतः खड़े हो जाते हैं। वह कहाँ जा रही है अकेली क्यों है इतनी देर तक बाहर रहने की क्या आवश्यकता है कौन उसका इंतजार कर रहा होगा ये प्रश्न केवल जिज्ञासा नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता के प्रतीक हैं जो महिलाओं की स्वतंत्र आवाजाही को अब भी पूरी तरह सहजता से स्वीकार नहीं कर पाई है।

यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। महानगरों में भी महिलाएँ सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को पुरुषों की तुलना में अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं।

उनके लिए घर से बाहर निकलना केवल एक भौतिक यात्रा नहीं होता, बल्कि अनेक मानसिक और सामाजिक बाधाओं को पार करने की प्रक्रिया भी होता है। इसीलिए महिलाओं की आवाजाही से जुड़ी योजनाओं, सुविधाओं और नीतियों का महत्व केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी होता है।

जब सरकारें महिलाओं के लिए मुफ्त या रियायती बस यात्रा जैसी योजनाएँ लागू करती हैं, तो उसका महत्व केवल किराए की बचत तक सीमित नहीं रहता। यह उन महिलाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलता है जिनके लिए प्रतिदिन का छोटा-सा खर्च भी निर्णयों को प्रभावित करता है। कई परिवारों में आज भी महिलाओं की शिक्षा, नौकरी या अन्य गतिविधियों पर होने वाला खर्च एक अतिरिक्त बोझ माना जाता है। ऐसे में परिवहन का खर्च कम होना उन्हें अधिक स्वतंत्रता प्रदान कर सकता है।

यह समझना आवश्यक है कि घर से बाहर निकलने वाली हर महिला केवल नौकरी पर नहीं जा रही होती। वह अपने जीवन के किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य की ओर बढ़ रही हो सकती है। कोई महिला अपनी बीमार माँ की देखभाल के लिए दूसरे मोहल्ले या शहर जा रही हो सकती है। कोई विवाह के बाद छूट गई पढ़ाई को फिर से शुरू करने का साहस जुटा रही हो सकती है। कोई बेहतर रोजगार की तलाश में प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर रही हो सकती है। कोई अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अतिरिक्त काम कर रही हो सकती है। और यह भी संभव है कि वह केवल कुछ क्षणों की मानसिक शांति के लिए घर से बाहर निकली हो, क्योंकि घर के भीतर उसका अवैतनिक श्रम कभी समाप्त नहीं होता।

भारतीय समाज में महिलाओं का घरेलू श्रम आज भी बड़े पैमाने पर अदृश्य बना हुआ है। भोजन बनाना, बच्चों की देखभाल करना, बुजुर्गों की सेवा करना, घर की साफ-सफाई और अनगिनत छोटे-बड़े काम–ये सब ऐसे कार्य हैं जिनके बिना परिवार का जीवन संभव नहीं है, लेकिन इनका आर्थिक मूल्य नहीं आँका जाता। ऐसे में जब कोई महिला घर से बाहर निकलती है तो वह केवल एक व्यक्ति के रूप में नहीं बल्कि अनेक जिम्मेदारियों के बोझ के साथ निकलती है।

उसके पास समय कम होता है, संसाधन सीमित होते हैं और सामाजिक अपेक्षाएँ अधिक होती हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की उपस्थिति को लेकर हमारी सामाजिक सोच में भी अनेक विरोधाभास दिखाई देते हैं।

एक ओर हम महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता की बात करते हैं, दूसरी ओर उनकी स्वतंत्र आवाजाही को लेकर संदेह और नियंत्रण की प्रवृत्ति भी बनाए रखते हैं। परिवार अक्सर बेटियों को पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन देर शाम घर लौटने को लेकर चिंतित रहते हैं।

उप्र का मौसम : धूल भरी आंधी के बाद लखनऊ में बारिश, कई अन्य जिलों में भी तेज आंधी - पानी

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में मौसम में लगातार उतार चढ़ाव का दौर जारी है। रविवार को सुबह नरम हवाएं चलीं लेकिन दोपहर बाद प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाएं चलने लगीं और बारिश हुई। हवाओं की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई।
राजधानी लखनऊ में पिछले दो दिनों में नरम हवाएं और बूंदाबांदी के कारण लोगों को गर्मी और उमस से थोडी राहत मिल रही है लेकिन रविवार को मौसम का रुख अचानक तेजी से बदल गया। वैसे सुबह से ही नरम हवाओं के कारण ऐसा आभास था कि मौसम में कभी भी बदलाव हो सकता है और दोपहर बाद वही हुआ। रविवार दोपहर अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और बादलों ने सूरज को ढक लिया। सड़कों पर अंधेरा और धूल का गुबार छा जाने से कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ। राजधानी लखनऊ में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई जबकि प्रदेश के अन्य जिलों सीतापुर, बाराबंकी, संभल, मुरादाबाद, हाथरस, गोंडा और बलरामपुर में बारिश दर्ज की गई जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर, फिरोजाबाद, फरुर्खाबाद, अलीगढ़ और बुलंदशहर में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हुई है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।
मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार उत्तर प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से लगातार आ रही नमी के कारण प्रदेश के मौसम में बार-बार तेजी से यह बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार को भी राजधानी समेत उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बादलों की सक्रियता बनी रहेगी। मौसम विभाग ने कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जतायी है।

गौ-रक्षा के मुद्दे पर सरकारों को जनता के सामने रिपोर्ट कार्ड देना होगा : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

कानपुर।
अपनी यात्रा के तहत कानपुर पहुंचे ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ-रक्षा को देश का प्रमुख मुद्दा बताते हुए कहा कि अब सरकारों को जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड रखना होगा। उन्होंने कहा कि गौ-संरक्षण के नाम पर वर्षों से वादे किए जाते रहे हैं, लेकिन अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। यदि कोई सरकार स्वयं को गौ-भक्त और हिंदू हितों की संरक्षक बताती है तो उसे इस दिशा में किए गए कार्यों का स्पष्ट हिसाब भी देना चाहिए।
कानपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गौ-रक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है और यहां की जनता भी इसे गंभीरता से देखती है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सत्ता में रहने के बावजूद यदि गौ-रक्षा को लेकर संत समाज और आम लोगों की अपेक्षाएं पूरी नहीं हुई तो इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने दावा किया कि इस विषय को लेकर संत समाज के एक वर्ग में नाराजगी है।
शंकराचार्य ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य गौ-रक्षा और गौ-सम्मान के मुद्दे को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाना है। उन्होंने कहा कि जनता अब केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि ठोस परिणाम देखना चाहती है। इसी कारण विभिन्न स्थानों पर संवाद और जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है।
उन्होंने बताया कि यात्रा 81 दिनों से जारी है और आगामी 24 जुलाई को लखनऊ में एक बड़े कार्यक्रम के दौरान आगे की रणनीति की घोषणा की जाएगी। उनके अनुसार उस कार्यक्रम में संतों और समर्थकों की उपस्थिति में भविष्य की कार्ययोजना पर निर्णय लिया जाएगा।
स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि उनकी प्रमुख मांग गाय को केवल पशु नहीं बल्कि 'गौमाता' के रूप में सम्मान देने तथा उसके संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने की है।

यूपी में कानून व्यवस्था नियंत्रित, अपराधियों की कोई जाति नहीं: रमेश मिश्रा

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में रविवार को बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने प्रदेश में कानून व्यवस्था पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के लिए कानून व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण विषय होता है और योगी सरकार इस मोर्चे पर प्रभावी ढंग से काम कर रही है। विधायक ने कहा कि पिछली सरकारें कानून व्यवस्था को पूरी तरह नियंत्रित करने में सफल नहीं रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी वर्ष होने के कारण विपक्ष सरकार की छवि खराब करने का षड्यंत्र कर रहा है। उनके अनुसार, हाल के समय में सामने आए अधिकांश मामलों में शामिल करीब 70 प्रतिशत अपराधियों का संबंध समाजवादी पार्टी से रहा है।उन्होंने कहा कि सरकार अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। एनकाउंटर, संपत्तियों की कुर्की और अवैध निमार्णों पर बुलडोजर कार्रवाई के कारण अपराधियों में कानून का भय बना है। विधायक ने कहा कि कुछ युवा प्रलोभन में आकर गलत रास्ते पर जा रहे हैं, जिससे अपराध की घटनाएं सामने आती हैं। हालांकि सरकार कानून को हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।
दूल्हा आजाद बिंद हत्याकांड के आरोपित रवि यादव के एनकाउंटर के बाद परिजनों द्वारा उठाए गए जातिगत सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक मिश्रा ने कहा कि सरकार की नजर में अपराधी की कोई जाति नहीं होती। चाहे वह ठाकुर, ब्राह्मण, यादव या किसी अन्य बिरादरी से हो। अपराध करने पर उसके खिलाफ समान रूप से कार्रवाई की जाती है। सरकार की नीति स्पष्ट है कि अपराधी सिर्फ अपराधी होता है और उसके विरुद्ध कार्रवाई जाति देखकर नहीं, बल्कि अपराध के आधार पर की जाती है।

न्याय, सुशासन और जनकल्याण की प्रतीक थीं अहिल्याबाई होल्कर : डॉ. मानसिंह यादव

प्रयागराज।
महारानी अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की महान शासकों में से एक थीं। उन्होंने अपने शासनकाल में न्याय, सुशासन और लोक कल्याण की ऐसी मिसाल कायम की, जो आज भी प्रेरणादायक है। यह बात रविवार को समाजवादी पार्टी के जार्जटाउन स्थित जिला कार्यालय में रविवार को लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के मौके पर कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए सपा नेता डॉ. मानसिंह यादव ने कही।
उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया तथा देशभर में मंदिरों, धर्मस्थलों, सरायों और जनसुविधाओं का निर्माण कर जनसेवा की अनूठी परम्परा स्थापित की। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके जीवन और योगदान को याद किया।
जिलाध्यक्ष अनिल यादव, पप्पूलाल निषाद तथा महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और जनसेवा के जिस आदर्श को स्थापित किया, वह वर्तमान समय में भी उतना ही प्रासंगिक है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में समानता, न्याय और भाईचारे के मूल्यों को मजबूत करने की आवश्यकता है।
वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सेवा, त्याग और जनहित के कार्यों के लिए समर्पित रहा। उनके आदर्शों को अपना कर ही समाज को अधिक न्यायपूर्ण और समरस बनाया जा सकता है।

समाज को जागरूक करने में पत्रकारों का योगदान : सुरेन्द्र सिंह

मुरादाबाद।
पत्रकार दिवस के अवसर पर नारद जी का स्मरण करना एवं उनके जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर है। समाज को जागरूक करने में पत्रकारों का अहम योगदान है। यह बातें रविवार को विश्व संवाद केंद्र द्वारा बुद्धि विहार स्थित अमर वाटिका में देवऋषि नारद जयंती एवं हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "डिजिटल मीडिया के युग में आधुनिक पत्रकारिता" विषय पर पत्रकार गोष्ठी में राष्ट्रदेव मासिक के संपादक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रांत प्रचार प्रमुख सुरेन्द्र सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता कही।
सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि उदंत मार्तण्ड बंद भले ही हो गया लेकिन वह लोगों को एक दिशा दे गया। पत्रकारिता ही है जिसके माध्यम से समाज में नवसंचार, जागरण, सजीवता तथा नवस्फूर्ति का संचार होता है। समाज को प्रभावित करने की जो क्षमता पत्र-पत्रिकाओं में है, उसके मूल में भी पत्रकार ही है। पत्रकार को समाज के सजग प्रहरी के रूप में देखा जाता है। एक पत्रकार सामाजिक परिवर्तन के लिए जो त्याग करता है उसका वह त्याग ही समाज को गति प्रदान करता है। समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज पत्रकार होता है।

दर्दनाक हादसा : फुटब्रिज की सीढ़ियों में घुसी बाइक, नवविवाहिता की मौत

झांसी।
उत्तर प्रदेश के झांसी में नवाबाद थाना क्षेत्र में झांसी-कानपुर हाईवे पर कोछाभांवर गांव के पास रविवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक नवविवाहिता की मौत हो गई, जबकि उसका देवर और देवरानी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।
जानकारी के अनुसार, प्रेमनगर के नगरा निवासी रामकिशोर बाल्मीकि की 20 वर्षीय बेटी साक्षी की शादी दिसंबर 2024 में गुरसराय के कटरा मोहल्ला निवासी पंकज बाल्मीकि से हुई थी। पंकज नगर पालिका में ठेका कर्मी के रूप में कार्यरत है। रविवार को साक्षी अपने मायके में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने देवर अनुराग और देवरानी रक्षा के साथ बाइक से झांसी आ रही थी। रास्ते में कोछाभांवर गांव के पास बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और हाईवे किनारे बने फुटब्रिज की सीढ़ियों में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने साक्षी को मृत घोषित कर दिया।

मुरादाबाद : 24 घंटे में दो बार मूसलाधार बारिश से बदला मौसम का मिजाज

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में रविवार शाम को फिर हुई करीब दो घंटे की मूसलाधार बारिश से जहाँ पीतलनगरी पानी से लबालब हो गई। वहीं गर्मी से भी काफी हद तक निजात मिल गई। शनिवार को भी शाम को दो घंटे की बारिश हुई थी। एमडीए की कालोनियां हों या गली-मोहल्ले, सब जगह बरसात का पानी भर गया। इस बारिश से मुरादाबाद का न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार सोमवार को मुरादाबाद में मौसम साफ रहेगा और सुबह से सूरज निकलने के साथ गर्मी का पारा भी चढ़ा रहेगा। रविवार को सुबह हवा चलने से लग रहा था कि आज मौसम में कुछ परिवर्तन होगा लेकिन दिनभर तेज धूप से गर्मी का पारा और चढ़ गया था। शाम लगभग 6:30 बजे तेज हवा चलनी शुरू हुई। देखते ही देखते शाम करीब सात बजे आसमान में बिजली की तेज गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। रात नौ तक जारी रही। लगभग दो घंटे की ताबड़तोड़ मूसलाधार बारिश से महानगर की विभिन्न कालोनियां, गली-मोहल्ले पानी से लबालब हो गए।

झपटमारी करने वाले तीन गिरफ्तार, 12 मोबाइल फोन और बाइक बरामद

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित जार्जटाउन थाना पुलिस ने रविवार को झपटमारी की घटनाओं में शामिल तीन युवकों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 12 मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में बरामदगी के आधार पर अतिरिक्त धाराएं बढ़ाते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

गोरखपुर में एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ, सीखेंगे सैन्य गुर

गोरखपुर।
उत्तर प्रदेश के जनपद गोरखपुर में रविवार को 45 यूपी एनसीसी बटालियन के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-155 का केंद्रीय विद्यालय संख्या-2, उनौला में विधिवत शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण शिविर 8 जून तक संचालित होगा। इसमें जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विद्यालयों से जुड़े लगभग 600 एनसीसी कैडेट प्रतिभाग कर रहे हैं।
शिविर में एनसीसी के व्यापक पाठ्यक्रम के अंतर्गत कैडेट्स को सैन्य एवं असैन्य गतिविधियों का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।
प्रशिक्षण कार्यक्रम में शारीरिक दक्षता, परेड, ड्रिल, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, सामूहिक जीवन, आपदा प्रबंधन, राष्ट्रसेवा की भावना तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं से संबंधित गतिविधियां शामिल रहेंगी।
45 यूपी एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी एवं कैम्प कमांडेंट कर्नल जयवीर सिंह, सेना मेडल के कुशल नेतृत्व में शिविर का संचालन किया जा रहा है। प्रशिक्षण व्यवस्था को प्रभावी एवं अनुशासित बनाने के लिए भारतीय थल सेना के अनुभवी एवं ख्यातिप्राप्त विभिन्न पदक्रमों के अनुदेशकों को तैनात किया गया है। शिविर की दिनचर्या प्रातः 6 बजे पीटी परेड से प्रारंभ होकर सायं 6 बजे रोल कॉल तक निर्धारित रहेगी।
डिप्टी कैम्प कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अमित कुमार सिंह शिविर के प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र एवं व्यवस्था पर निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं। शिविर के प्रथम दिन विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए कैडेटों ने स्वागत पटल पर अपने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर पंजीकरण कराया।
इसके पश्चात थल सेना के अनुदेशकों द्वारा उन्हें शिविर की दिनचर्या, अनुशासन, आवासीय व्यवस्था, प्रशिक्षण प्रणाली तथा आगामी गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं की विस्तृत जानकारी दी गई।
सायंकालीन सत्र में कैम्प कमांडेंट कर्नल जयवीर सिंह, सेना मेडल ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी शिविर केवल प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना को विकसित करने का सशक्त मंच है।

अवतार नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती दो व्यक्तियों की मौत मामले में संचालक गिरफ्तार

देवरिया।
शहर के अवतार नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती दो व्यक्तियों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में कोतवाली पुलिस ने केंद्र के संचालक को रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों मामलों में दर्ज अभियोगों की विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन के आधार पर यह कार्रवाई की है।
अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने आरोपित पंकज कुमार मिश्र (30) पुत्र ओमप्रकाश मिश्र, निवासी समउर गोपालपुर, थाना कटेया, जिला गोपालगंज (बिहार) को गिरफ्तार किया। जो अवतार नशा मुक्ति केंद्र का संचालक बताया गया है।
उन्होंने बताया कि तिलई बेलवा निवासी सुरेश यादव (38) को 16 मई 2026 को बेलडाड़ मोड़ स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि 21 मई की रात केंद्र से उनकी तबीयत खराब होने की सूचना दी गई। मेडिकल कॉलेज ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मामले में मृतक के पुत्र की तहरीर पर कोतवाली में मुकदमा बीएनएस के तहत दर्ज किया गया।
उन्होंने बताया कि इसी प्रकार राघवनगर निवासी रितेश राव को 11 मई 2026 को उसी केंद्र में भर्ती कराया गया था। 25 मई को केंद्र से उनकी तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हमें सोशल मीडिया को सकारात्मक प्लेटफॉर्म बनाना होगा : भारत सिंह

लखनऊ।
हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "पत्रकारिता एवं सोशल मीडिया" विषय पर रविवार को हजरतगंज स्थित सेंटर कोर्ट बिल्डिंग में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
महापुरुष स्मृति समिति और मीडिया को-ऑप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ देवर्षि नारद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।
कार्यक्रम संयोजक भारत सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में पत्रकारिता की भूमिका और सोशल मीडिया की चुनौतियों पर गहन चर्चा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल युग में पत्रकारिता सिर्फ खबर देने तक सीमित नहीं रही है, बल्कि यह समाज को सही दिशा देने का माध्यम बन गई है।
वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया सूचना को तुरंत पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम है, लेकिन इसके साथ ही गलत सूचनाओं की पहचान की चुनौती भी बढ़ गई है। हमें नैतिकता और जिम्मेदारी के साथ पत्रकारिता को आगे बढ़ाना होगा। वरिष्ठ पत्रकार पद्माकर पांडेय ने कहा, "हिन्दी पत्रकारिता की 200 वर्ष की यात्रा गौरवशाली रही है। नई पीढ़ी को इस विरासत को संभालते हुए सोशल मीडिया को सकारात्मक प्लेटफॉर्म बनाने की जरूरत है।

कड़ी सुरक्षा और सख्त निगरानी में संपन्न हुईं दो बड़ी परीक्षाएं, 43 हजार से अधिक अभ्यर्थी हुए शामिल

गोरखपुर।
उत्तर प्रदेश के जनपद गोरखपुर में रविवार को आयोजित सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा और बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा सकुशल, शांतिपूर्ण और नकलविहीन वातावरण में संपन्न हो गईं। दोनों परीक्षाओं में कुल 43,049 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जिला नोडल अधिकारी एवं एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार के नेतृत्व में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा।
सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा जिले के 23 केंद्रों पर सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक एक पाली में आयोजित हुई, जिसमें 10,519 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। वहीं बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 67 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गई। पहली पाली सुबह 9:00 बजे से 12:00 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक संपन्न हुई, जिसमें 32,530 अभ्यर्थी शामिल हुए।
सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। केंद्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट, ऑब्जर्वर और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई थी।
एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार ने परीक्षा संपन्न होने के बाद बताया कि एक ही दिन दो बड़ी परीक्षाओं का सफल आयोजन प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से इसे सुचारू रूप से पूरा किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और पुलिस बल की सराहना करते हुए कहा कि उनकी जिम्मेदारी और सतर्कता के चलते परीक्षा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी।

आरबीआई, जीडीपी और वैश्विक आंकड़े तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की दिशा

पिछली गिरावट के बाद निवेशक सतर्क, जून के पहले हफ्ते में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर रहेगी पैनी नजर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ समाप्त किया, लेकिन निवेशकों की असली परीक्षा अब आने वाले सप्ताह में होगी। 1 जून से 5 जून के बीच कई घरेलू और अंतराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़े और नीतिगत फैसले बाजार की चाल को निर्धारित करेंगे। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, देश की जीडीपी रिपोर्ट, पीएमआई आंकड़े और अमेरिका से आने वाले रोजगार संबंधी डेटा निवेशकों के लिए अहम साबित होंगे। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.85 फीसदी टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 0.72 फीसदी गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। अब बाजार की नजर अगले हफ्ते (1 जून से 5 जून) आने वाले कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत फैसलों पर रहेगी, जो बाजार की अगली दिशा तय करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में 1 जून को मई महीने के मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स आंकड़े जारी होंगे, जो देश की औद्योगिक गतिविधि का संकेत देंगे। इसी दिन ऑटो कंपनियों की बिक्री के आंकड़े भी आएंगे, जो उपभोक्ता मांग की तस्वीर स्पष्ट करेंगे। इसके बाद, 5 जून को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की आर्थिक वृद्धि दर का मूल्यांकन करेगा और निवेशकों को अर्थव्यवस्था की समग्र सेहत समझने में मदद करेगा। इस दौरान निवेशकों की सबसे बड़ी नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर होगी, जो 3 से 5 जून तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून की सुबह फैसलों का एलान करेंगे। बाजार बेसब्री से यह देखना चाहेगा कि क्या ब्याज दरों में कोई बदलाव होगा या दरों को स्थिर रखा जाएगा। यह फैसला बैंकिंग शेयरों और ऋण बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, 3 जून को अमेरिका से रोजगार और सर्विस सेक्टर से जुड़े अहम आंकड़े आएंगे, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत देंगे और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर कटौती की संभावनाओं पर असर डालेंगे। 5 जून को अमेरिका में बेरोजगारी दर के आंकड़े भी जारी होंगे। इसके अलावा, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका-ईरान संबंधों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी निवेशकों की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें भारतीय महंगाई दर को सीधे प्रभावित करती हैं। आने वाला सप्ताह भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है।

इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री, अमेरिका को पछाडा

नई दिल्ली ।

भारत ने अप्रैल 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की मांग (पेनेट्रेशन) के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री हुई। वाहन रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में भारत में बिकने वाली कुल नई कारों में से 5.8 प्रतिशत इलेक्ट्रिक थीं। यह आंकड़ा मार्च 2026 के 5.1 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल के सिर्फ 3.7 प्रतिशत से काफी अधिक है। नए-नए मॉडलों के बाजार में आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में यह तेजी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। इसके विपरीत, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कार बाजार अमेरिका में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी गिरकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। इस तरह, प्रतिशत के मामले में भारत ने इस बार अमेरिका को पछाड़कर बाजी मार ली है। हालांकि, अगर कुल बिक्री के आंकड़ों की बात करें तो भारत अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है, क्योंकि अमेरिका का कुल कार बाजार भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। अप्रैल में भारत में लगभग 23,500 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि अमेरिका में इसी दौरान लगभग 70,000 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। अमेरिका में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, उसके बाद जनरल मोटर्स, फोर्ड और हुंडई जैसी कंपनियां हैं।

पेट्रोल पर 1.5 और डीजल पर 13.50 रुपए की टैक्स कटौती करेगी सरकार

1 जून से लागू होंगी नई दरें, कच्चे तेल की नरमी के बीच सरकार का फैसला

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला 1 जून से प्रभावी होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी देखने को मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है, लेकिन इस कटौती का घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह केवल निर्यात पर लगने वाले कर में बदलाव है। सरकार की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले कर में 1.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। वहीं डीजल के निर्यात पर 13.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल के निर्यात पर 9.5 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। सरकार ने यह विशेष कर पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगाया था। आखिरी बार इसमें 16 मई को संशोधन किया गया था। घरेलू बाजार में रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों ने पिछली बार सोमवार को घरेलू स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी की थी। देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। देश के कई शहरों में पेट्रोल का दाम 110 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। हैदराबाद में यह 115 रुपये से भी अधिक है, जबकि कोलकाता में भी 1 लीटर पेट्रोल के लिए लोगों

को 110 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। सरकार ने पहले घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में भी कटौती की थी, जिसमें तब से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

त्रिवेणी इंजीनियरिंग का मुनाफा घटकर 167 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मुनाफा आठ प्रतिशत घटकर 167.45 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से गन्ने की लागत बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ घटा है।

कंपनी का 2024-25 की समान तिमाही में मुनाफा 183 करोड़ रुपये था। एकीकृत चीनी और एथनॉल उत्पादक कंपनी त्रिवेणी इंजीनियरिंग ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय घटकर 1,842.15 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,934.53 करोड़ रुपये थी। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 268.71 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 243.19 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय बढ़कर 7,697.03 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,865.58 करोड़ रुपये थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 16.64 लाख करोड़ के आंतरिक लेनदेन की मंजूरी मांगेगी

मुख्यतः जियो और रिटेल इकाइयों के बीच होंगे सौदे, पांच वित्त वर्षों तक चलेगा यह सिलसिला

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अगले पांच वित्तीय वर्षों के लिए 16.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक के विशाल आंतरिक लेनदेन को अपनी डिजिटल और खुदरा सहायक कंपनियों, जियो प्लेटफॉर्म्स और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ आगे बढ़ाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। यह प्रस्ताव आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में रखा जाएगा। कंपनी द्वारा दाखिल नोटिस के अनुसार इस प्रस्तावित लेनदेन का सबसे बड़ा हिस्सा रिलायंस रिटेल द्वारा रिलायंस जियो को दिया जाएगा, जो दूरसंचार सेवाओं की बिक्री के बदले में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। वित्तीय वर्ष 2027-28 में 2.20 लाख करोड़ रुपये और उसके बाद 2028-29 से 2031-32 तक प्रत्येक वर्ष 2.80 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन का अनुमान है। इसके अतिरिक्त रिलायंस जियो द्वारा दूरसंचार नेटवर्क विस्तार के लिए इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) आधार पर आरआईएल को 76,800 करोड़ रुपये का भुगतान भी प्रस्तावित है। आरआईएल ने स्पष्ट किया है कि यह कोई नया लेनदेन नहीं है, बल्कि मौजूदा मंजूर व्यवस्थाओं की निरंतरता है जिसके लिए शेयरधारकों की सहमति मांगी जा रही है।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित हलचल, सरसों-बिनौला चमके, सोया-पाम फिसले!

तिलहन उत्पादन पर संकट, धान की ओर बढ़ते किसानों पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में मई 2026 के अंतिम सप्ताह में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां एक ओर अचार कंपनियों की बढ़ती मांग और मंडियों में कमजोर आवक ने सरसों व बिनौला तेल की कीमतों को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर भारतीय रुपये की डॉलर के मुकाबले शानदार रिकवरी के चलते सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आगामी बरसात को देखते हुए अचार बनाने वाली कंपनियों की बढ़ी खरीदारी और सरसों की कमजोर आवक ने इसके दामों को मजबूत किया। इसी क्रम में, कपास की आवक घटने से बिनौला तेल की उपलब्धता प्रभावित हुई, जिससे इसकी कीमतों में भी सुधार आया। सरकार ने कपड़ा मिलों को राहत देने के लिए कपास पर लगने वाले 10 फीसदी आयात शुल्क को शून्य कर दिया है। इसके विपरीत, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की शानदार रिकवरी ने विदेशों से खाद्य तेलों का आयात सस्ता कर दिया। इस वजह से सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेलों में गिरावट दर्ज हुई। सरकार ने कच्चे पाम तेल और पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की, जबकि सोयाबीन डीगम तेल के शुल्क मूल्य में कमी की। महाराष्ट्र और तेलंगाना में नेफेड द्वारा सोयाबीन बेचने के लिए कम बोली वाली निविदाएं निरस्त कर दी गईं, जिसके बाद जानकारों ने किसानों के हित में अगले कुछ महीनों तक सोयाबीन की सीमित बिक्री की सिफारिश की है। मूंगफली तेल के दाम इस हफ्ते स्थिर बने रहे। यह फिलहाल आयातित सूरजमुखी तेल से सस्ता मिल रहा है, हालांकि इसका दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चल रहा है। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में एक मिली-जुली तस्वीर सामने आई जहां सरसों और बिनौला तेल के भावों में तेजी दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन और पाम तेल गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, बाजार विशेषज्ञों ने देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों के धान की ओर बढ़ते रुझान पर चिंता जताई है। बंद भावों के अनुसार, सरसों दाना 150 रुपए की तेजी के साथ 7,775-7,800 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

सरसों तेल (थोक) और बिनौला तेल में भी क्रमशः 50 और 75 रुपए प्रति क्विंटल का सुधार देखा गया। दूसरी ओर, सोयाबीन दाना 200 तक टूटकर 7,425-7,475 रुपए प्रति क्विंटल

रहा, जबकि सोयाबीन तेल में 100 से 140 रुपए तक की गिरावट आई। पाम ऑयल भी 25 से 125 रुपए तक फिसला। मूंगफली तेल स्थिर बना रहा। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि पारंपरिक तिलहन उत्पादक राज्यों में किसानों के धान की खेती की ओर मुड़ने के कारणों की गंभीरता से समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि इन मुद्दों को हल करके ही भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अदाणी समूह की नई उड़ान, कानूनी चुनौतियों से बाहर आकर ऊर्जा-डिजिटल इंफ्रा पर फोकस

गौतम अदाणी बोले- समूह ने अमेरिकी मामलों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को भेजे अपने वार्षिक पत्र में घोषणा की है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है। अब समूह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक और डिजिटल अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की गति बढ़ा रहा है, विशेषकर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली विशाल मांग को पूरा करने के लिए। गौतम अदाणी ने आश्वस्त किया कि पिछले वर्ष की चुनौतियों और गहन जांच-पड़ताल के बावजूद, समूह अपनी विस्तार रणनीति पर अडिग रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामले अब पीछे छूट चुके हैं, और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर केंद्रित है। अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को उन्होंने निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए अदाणी ने अवसंरचना और मेधा (इंटेलिजेंस) पर जोर दिया। उनका मानना है कि एआई के व्यापक उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, पारेषण नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक अवसंरचना में भारी निवेश आवश्यक होगा, क्योंकि एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है। समूह ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय किया है। प्रमुख उपलब्धियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा 5.1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़कर कुल 19 गीगावाट से अधिक करना और अदाणी पोर्ट्स द्वारा 50

करोड़ टन से अधिक कार्गो संभालना शामिल है। डिजिटल अवसंरचना में समूह ने 2030 तक दो गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के निर्माण की योजना बनाई है। अदाणी ने दोहराया कि समूह की पहचान चुनौतियों से नहीं, बल्कि उनके प्रति उसकी प्रतिक्रिया और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता से होती है।

रिलायंस एआई के दम पर बनेगा देश का अग्रणी मनोरंजन मंच

राजस्व में बंपर उछाल, कंटेंट निर्माण और अनुभव में एआई की मुख्य भूमिका

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने मीडिया और मनोरंजन कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को केंद्रीय भूमिका में शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य एआई के माध्यम से देश के हर उपभोक्ता के लिए प्रमुख मनोरंजन मंच बनना है। अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में आरआईएल ने कहा कि एआई मनोरंजन के अगले युग को परिभाषित करेगा और एक अग्रणी मीडिया मंच के रूप में रिलायंस की जिम्मेदारी है कि वह इस बदलाव का नेतृत्व करे। एआई का उपयोग केवल दक्षता बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि सामग्री बनाने, उपभोक्ता अनुभव और दर्शक जुड़ाव को मौलिक रूप से नया आकार देने के लिए किया जाएगा। कंपनी के मीडिया एवं मनोरंजन कारोबार, जिसमें जियोसावन, जियो स्टूडियोज और नेटवर्क18 शामिल हैं, ने वित्त वर्ष 2025-26 में दर्शक संख्या और जुड़ाव के मामले में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। इस अवधि में परिचालन आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 34,917 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 17,762 करोड़ रुपये थी। यह वित्तीय वृद्धि एआई-संचालित नवाचारों के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है।

वैश्विक तनाव से श्रीलंका में ईंधन फिर महंगा

तीन महीनों में पांचवीं बार बढ़े दाम, पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें लागू

कोलंबो ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं का सीधा असर श्रीलंका पर पड़ा है। देश में पेट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है, जो पिछले तीन महीनों में पांचवीं वृद्धि है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने नई दरों की घोषणा की, जो शनिवार आधी रात से प्रभावी हो गई हैं।

नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 24 रुपये महंगा होकर 434 रुपये प्रति लीटर और डीजल 15 रुपये बढ़कर 407 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मिट्टी के तेल की कीमत में भी 20 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है, जिससे यह 285 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने जनता से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। उनका कहना है कि

पश्चिम एशिया के तनाव के कारण देश पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के अंत में 293 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पेट्रोल अब 434 रुपये पर पहुंच गया है। इस बीच श्रीलंकाई रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है, जिससे देश की आर्थिक चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

एडब्ल्यूएल अब मधुर ब्रांड नाम से बेचेगी चीनी

फॉर्च्यून का चीनी बाजार में प्रवेश; श्री रेणुका शुगर्स के साथ रणनीतिक समझौता

नई दिल्ली ।

खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (एडब्ल्यूएल) ने अब चीनी बाजार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। कंपनी ने इसके लिए देश की बड़ी चीनी कंपनियों में से एक श्री रेणुका शुगर्स के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इस करार के तहत एडब्ल्यूएल अब श्री रेणुका शुगर्स के लोकप्रिय और स्थापित ब्रांड 'मधुर' के नाम से चीनी का विपणन करेगी। शेयर बाजारों को को दी गई नियामकीय सूचना के अनुसार, एडब्ल्यूएल एग्री ने पैकेज्ड फूड कारोबार में अपनी बाजार पहुंच को मजबूत करने और वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाली एडब्ल्यूएल इस समझौते के माध्यम से अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

इस व्यवस्था के तहत श्री रेणुका

शुगर्स अपने प्रमुख चीनी ब्रांड मधुर का लाइसेंस एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस को देगी, जिससे फॉर्च्यून की मजबूत वितरण प्रणाली का लाभ मधुर ब्रांड को भी मिल सकेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए लाभकारी मानी जा रही है।

इरेडा का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर 492.63 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 1.77 प्रतिशत घटकर 492.63 करोड़ रुपये रहा।वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का मुनाफा 501.55 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,181.28 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,915 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,562.14 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,285.91 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में इरेडा का मुनाफा बढ़कर 1,874 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 1,698 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 8,338.89 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,755.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने एक अलग बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक वार्षिक लाभ दर्ज किया है। इरेडा के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 0.75 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। इस प्रकार अंतरिम लाभांश के रूप में दिए गए 0.60 रुपये प्रति शेयर सहित कुल लाभांश 1.35 रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की ऋण स्वीकृतियां नौ प्रतिशत बढ़कर 51,883 करोड़ रुपये हो गईं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 47,453 करोड़ रुपये थीं। वहीं ऋण वितरण 16 प्रतिशत बढ़कर 34,946 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले 30,169 करोड़ रुपये था।

एनएसई ने बढ़ाया ट्रेडिंग का समय, अब 3:40 बजे तक खुलेगा बाजार

क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम से तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया कदम

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के ट्रेडिंग समय को 10 मिनट बढ़ा दिया है। अब डेरिवेटिव्स मार्केट शाम 3:40 बजे तक खुला रहेगा, जो पहले 3:30 बजे बंद होता था। यह कदम कैश मार्केट में हाल ही में शुरू हुए क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) के साथ तालमेल बिठाने और बाजार को अधिक दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस बदलाव के तहत, जहां ट्रेडिंग की टाइमिंग में वृद्धि की गई है, वहीं डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट के क्लोजिंग प्राइस तय करने के तरीके में भी आंशिक बदलाव किया गया है। अब क्लोजिंग प्राइस की गणना के लिए उपयोग होने वाला वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस शाम 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच हुए सौदों के आधार पर तय होगा। हालांकि, प्री-ओपन सेशन और ट्रेड मॉडिफिकेशन विंडो के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनएसई ने अपने सर्कुलर में बताया कि यह निर्णय क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) को पूरी तरह से लागू करने का एक

हिस्सा है। सीएएस एक विशेष ट्रेडिंग सेशन है जो दिन के अंत में किसी शेयर का निष्पक्ष और पारदर्शी क्लोजिंग प्राइस निर्धारित करने में मदद करता है। इस 20 मिनट के सेशन में 3:15 से 3:20 बजे तक ट्रांजिशन फेज, 3:20 से 3:25 बजे तक मार्केट और लिमिट ऑर्डर डालने की सुविधा और 3:25 से 3:30 बजे के बीच केवल लिमिट ऑर्डर की अनुमति होगी। सीएएस के दौरान तय किए गए नए प्राइस बैंड और प्री-ट्रेड रिस्क कंट्रोल नियम अब डेरिवेटिव्स सेगमेंट पर भी लागू होंगे। ब्रोकरों और ट्रेडिंग सदस्यों को सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपने ट्रेडिंग एप्लीकेशन्स में आवश्यक अपडेट करने की सलाह दी गई है। एनएसई ने यह भी जानकारी दी है कि इस बदलाव से होने वाले कार्यात्मक परिवर्तनों का परीक्षण आगामी मॉक ट्रेडिंग सत्रों के दौरान किया जाएगा, ताकि प्रभावी तिथि से पहले सभी प्रणालियां तैयार हों। यह कदम भारतीय शेयर बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता को और मजबूत करेगा।

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिय। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने हार का कारण मध्यक्रम के विफल होने को माना है। उन्होंने माना कि यदि बल्लेबाज एक दो रन लेते रहती हो परिणाम कुछ और होता। इस हार के साथ ही तीन मैचों की ञ20 सीरीज में अब दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी प आ गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा, जो सीरीज विजेता का फैसला करेगा।

सात्विक-चिराग ने जीता सिंगापुर ओपन का खिताब, रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने रविवार को पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां BWF विश्व टूर खिताब है।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछ्ली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे।

सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया।

यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईद्ध) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान. वैभव सूर्यवंशी का शानदार आगाज

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। यही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

भारतीय महिला टीम ने अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया

काकामिगहारा । भारतीय भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां जापान के काकामिगहारा में खेले जा रहे महिलाओं के अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की ये टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने मलेशिया को भी हराया था। भारत की ओर से नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने एक-एक गोल किया। वहीं कोरया की आर से एकमात्र गोल ग्योंगमिन रयू ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। चौथे मिनट में नौशीन ने एक पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस शुरुआती बढ़त के बाद भारतीय टीम ने लगातार दबाव बनाये रखा। दूसरे क्वार्टर के 21वें मिनट में श्रुति कुमारी के एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2-0 से आगे कर दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक भारतीय टीम बढ़त बनाये हुए थी।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लॉगर नहीं अद्भुत खिलाड़ी

टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शॉट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लॉगर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान हैं। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हें अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय हो गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शॉट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लॉगर नहीं कह सकते हैं। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत में ही पकड़ लेते हैं। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े-बड़े छक्के लगा लेते हैं। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फॉर्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए। उनके अनुसार ऐसा फैसला उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, जिससे खिलाड़ी बिना किसी अनावश्यक बोझ के अपने खेल पर ध्यान दे सकें। सचिन ने ऐसे ही उनकी तरीफ नहीं की है बल्कि वैभव ने अपने को साबित भी किया है। आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें पांच शानदार अर्धशतक और एकशतक शामिल है। क्वाली फायर मैच में इस 15 साल के क्रिकेटर ने 97 और 96 रनों की आक्रामक पारियां खेलकर अपने को साबित किया।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

-नये गेंदबाजों का हौंसला बढ़ाने की भी थी जिम्मेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्यक्रम में एक बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी साझेदारियां बनाने पर भी रही हैं। उनका ध्यान स्ट्राइक बदलते रहने और यशस्वी जायसवाल तथा वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मदद करने पर रहता है, जिससे टीम के लिए बड़ी साझेदारियां बनती रहे हैं।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो । इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी। टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है - चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

तीन देशों की सीरीज के लिए रियान की जगह पर ऋतुराज भारत ए टीम में शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि रियान पराग चोटिल होने के कारण भारत ए टीम से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह पर ऋतुराज गायकवाड़ को श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। पराग हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। उन्हें पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के लिए लगभग तीन महीने का समय लगेगा। बीसीसीआई ने कहा है कि पराग के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा की जाएगी, जिससे वे पूरी तरह फिट होकर वापसी कर सकें। उनकी अनुपस्थिति में ऋतुराज को अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिला है। भारत ए टीम, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के साथ ही तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज 9 जून से श्रीलंका में खेलेगी। इससे युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक अच्छ अवसर मिलेगा। इस तरह की सीरीज से भविष्य के युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। बीसीसीआई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम में ऋतुराज को शामिल किया है। उन्होंने उप-कप्तान रियान पराग की जगह ली है जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। रिलीज में आगे कहा गया, रियान के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा की जाएगी। गायकवाड़ को टीम का उप-कप्तान भी नियुक्त किया गया है, जो इस टूर्नामेंट में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम इस प्रकार है- तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

यौन शोषण मामले में क्रिकेट कोच को 16 साल की सजा, 24,000 रुपये जुर्माना भी लगा

तिरुवनंतपुरम । तिरुवनंतपुरम की एक विशेष फास्ट-ट्रैक अदालत ने नाबालिग छात्रा के यौन शोषण मामले में दोषी पाये गये क्रिकेट कोच मनु एम को 16 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वल्लाकडावु निवासी मनु एम पर आरोप था कि उसने क्रिकेट कोचिंग के दौरान कई छात्राओं का यौन शोषण किया। इस मामले में अदालत ने उसे दोषी पाते हुए सजा सुनाने के साथ ही 24,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। फैसले में कहा गया है कि यदि दोषी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त ढाई साल की जेल की सजा भुगतनी होगी। यह मामला तिरुवनंतपुरम के एक प्रतिष्ठित क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ा है, जहाँ कई छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ सामने आईं, जिससे पूरे खेल जगत में हड़कंप मच गया। जांच में पाया गया कि आरोपी कोच विशेष फिटनेस और प्रशिक्षण के बहाने छात्राओं को अकादमी के जिम में ले जाता था और वहीं उनका यौन शोषण करता था। उसकी यह हरकतें यहीं तक सीमित नहीं थीं; उसने कुछ छात्राओं से आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने की भी मांग की थी। छात्राओं द्वारा उसकी अनुचित मांगों को इनकार करने पर, वह उन्हें उचित क्रिकेट प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने से कतराता था, जिसके कारण उन्हें भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। लगातार हो रहे उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार के कारण कई छात्राओं को मजबूरन अकादमी को छोड़ना पड़ा था।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

-सोशल मीडिया में समर्थन में उतरे लोग, बढ़ाया हौंसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछ्ले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौंसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है। लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी। इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया। विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा। उनका यह संकल्प कि मैं फिर वापस आऊंगी सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि एक महिला पहलवान के आत्मबल का प्रतीक बन गया है, जो हर चुनौती से लड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचने को तैयार है।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

फरुर्खाबाद।
कमालगंज थाना क्षेत्र में वृद्ध राज बहादुर कठेरिया की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। 60 वर्षीय राज बहादुर ग्राम भूलनपुर के निवासी थे । वह बीते दिन बेटी के यहां गए थे। सोमवार को वापस लौटते समय उन्होंने ग्राम कैलाशपुरी पाल का नगला निवासी इंद्र बहादुर पाल की खोखा परचून की दुकान पर मोबाइल व खरबूजे रखें और यह कहकर चले गए कि कमालगंज जा रहे हैं। राजबहादुर का शव मेडिकल कॉलेज भोजपुर के पीछे रेलवे लाइन के किनारे पड़ा देखा गया। रेलवे ट्रैक मैन की सूचना पर गांव वालों ने राज बहादुर को पहचाना और परिजनों को जानकारी दी।
सूचना मिलने पर राज बहादुर का बेटा सुनील आदि परिजन मौके पर पहुंचे। बताया गया कि राज बहादुर चंडीगढ़ में नौकरी करते थे ।वह बीते दिनों घर आए थे। राजबहादुर के सिर में घाव देखा गया। अनुमान लगाया गया कि उनकी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई है। भोजपुर चौकी इंचार्ज अखिलेश कुमार ने पंचनामा की कार्रवाई की।

लंगड़ाते हुए थाने में हाथ जोड़कर मांगी माफी

झांसी।
उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित नवाबाद थाना क्षेत्र में पीआरडी जवान के साथ हुई मारपीट और लूटपाट के मामले में पुलिस ने रविवार को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद चारों आरोपी थाने में हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आए।
उन्होंने कान पकड़कर अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि उनसे बड़ी भूल हो गई है और भविष्य में ऐसी हरकत दोबारा नहीं करेंगे।
मामला 29 मई की रात का है, जब प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवान दयाशंकर वर्मा को कुछ युवकों ने बीच चौराहे पर घेर लिया था। लेन-देन के विवाद को लेकर शुरू हुए इस विवाद में आरोपियों ने जवान का गिरेबान पकड़कर बेरहमी से पिटाई की थी। बाद में घटना का 6 मिनट 8 सेकंड का वीडियो सामने आया, जिसमें जवान को लगातार थप्पड़ और लात-घूंसों से पीटते हुए देखा गया। वीडियो के अनुसार करीब छह मिनट में उसे 44 थप्पड़ मारे गए थे।

बीएड प्रवेश परीक्षा: 12 केंद्रों पर दो पालियों में 7,562 अभ्यर्थी रहे उपस्थित

झांसी।
विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 रविवार को जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न हुई। परीक्षा की निगरानी पहली बार एआई आधारित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल रूम के माध्यम से की गई।
नोडल अधिकारी एवं एडीएम प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि प्रथम पाली में 4406 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 3781 उपस्थित रहे, जबकि 625 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में भी 4406 अभ्यर्थियों में 3781 ने परीक्षा दी और 625 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई।
जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर कक्ष निरीक्षकों को निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में फर्जी परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल न होने पाएं ।
उन्होंने कहा कि नकलविहीन और निष्पक्ष परीक्षा कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, वॉइस रिकॉर्डर, बायोमैट्रिक सत्यापन और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित

आमजन की समस्याओं का समयबद्ध हो निस्तारण : मुख्यमंत्री योगी

राजस्व व पुलिस से जुड़े प्रार्थना पत्रों पर मुख्यमंत्री ने समय सीमा के भीतर समस्याओं को हल करने का दिया आदेश

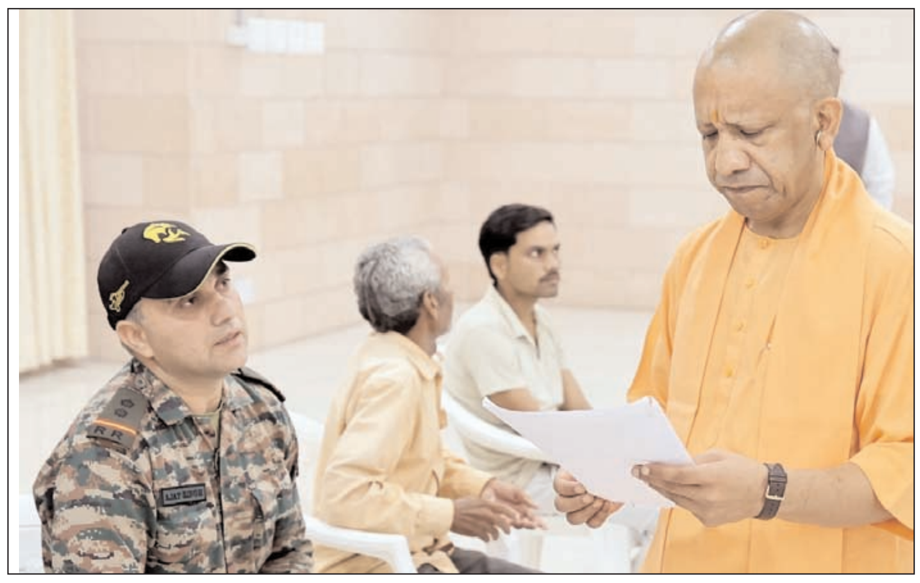

लखनऊ।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने प्रदेश भर से आए लोगों से मुलाकात की। उनके प्रार्थना पत्र लिए और उचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण समयसीमा के भीतर हो। विलंब होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही भी तय की जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कुछ बच्चों से शिक्षा के बारे में भी पूछा और अभिभावकों से कहा कि बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें, क्योंकि पढ़ा-लिखा बच्चा ही सशक्त भारत की नींव है।
मुख्यमंत्री योगी के समक्ष राजस्व व पुलिस से जुड़े भी कुछ मामले आए। मुख्यमंत्री ने उनका संज्ञान लिया और कहा कि लंबित राजस्व वादों का समयसीमा के भीतर निस्तारण किया जाए। छह महीने से अधिक लंबित वादों के कारणों की समीक्षा की जाए। उचित कारण न होने पर भी यदि निस्तारण में विलंब होता है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।
मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान हो। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता से सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सभी को न्याय और हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो। जरूरतमंद के चेहरे पर खुशहाली लाना शासन-प्रशासन का दायित्व है।

बेटा! तुम सिर्फ पढ़ाई करो, बाकी हम पर छोड़ दो

हापुड़ से एक बच्ची अपने अभिभावक के साथ आई थी। उसने अपने परिवार की माली स्थिति का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने पूछा कि किस क्लास में हो, इस पर बच्ची ने कक्षा-7 बताया और आगे की पढ़ाई में आने वाली बाधाओं का भी जिक्र किया।

किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकताओं की निष्ठा : अनुपम

लखनऊ।
संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश (भारतीय मजदूर संघ) की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक आज लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल गुप्ता की अध्यक्षता एवं प्रदेश महामंत्री योगेश उपाध्याय के संचालन में सम्पन्न हुई।
बैठक का शुभारंभ भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम द्वारा भारत माता, भगवान विश्वकर्मा एवं महापुरुषों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।
बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश संगठन मंत्री रामनिवास, अखिल भारतीय स्वास्थ्य कर्मचारी महासंघ के महामंत्री दिनेश कौशिक, अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष संजय यादव, प्रदेश संयोजिका सुनैना अरोड़ा सहित प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद मंत्री एवं विभिन्न जनपदों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।अपने प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक उद्बोधन में अनुपम ने संगठन की शक्ति, कर्मचारी एकता, अनुशासन, समर्पण एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया।
उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकताओं की निष्ठा, एकजुटता एवं संघर्षशीलता में निहित होती है। जब कर्मचारी संगठित होकर अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हैं, तब संगठन न केवल कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाता है, बल्कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।
उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, कर्मचारी हितों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर सक्रिय सहभागिता निभाने तथा भारतीय मजदूर संघ की विचारधारा "राष्ट्र हित, विभाग हित एवं कर्मचारी हित" को आत्मसात करते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ सदैव श्रमिक एवं कर्मचारी वर्ग के सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है और आगे भी यह संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों की लंबित मांगों, वेतन नीति, स्थानांतरण नीति, स्वास्थ्य बीमा, सेवा सुरक्षा, नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन, सेवानिवृत्ति आयु, संगठन विस्तार एवं संगठन सुदृढ़ीकरण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बेतवा नदी में निर्माणाधीन पुल गिरने से पहले लाइव वीडियो आया सामने

सामने मौत देख चीखता रहा मजदूर

हमीरपुर !
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में बेतवा नदी में बनाये जा रहे पुल हादसे के दो दिन बाद एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है जिसे देख लोग कॉप उठे है! चक्रवाती तूफान के बीच पुल गिरने से पहले एक मजदूर खौफनाक मंजर का वीडियो बनाकर मदद के लिए चीखता चिल्लाता रहा!बता दे कि हमीरपुर जिले के कुरारा, ललपुरा के बीच बेतवा नदी में पिछले तीन सालों से एक पुल का निर्माण कराया जा रहा है! 92 करोड़ के फंड से पुल के निर्माण में भारी लापरवाही बरती गई है!

फरुर्खाबाद के नए सीएमओ बने डॉक्टर आनन्द

फरुर्खाबाद।
शासन ने स्वास्थ्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए जालौन के चिकित्साधीक्षक डॉ. आनंद उपाध्याय को फरुर्खाबाद का नया मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) नियुक्त किया है। वहीं, वर्तमान सीएमओ डॉ. अवनीन्द्र कुमार का स्थानांतरण कर उन्हें संयुक्त निदेशक, प्रशिक्षण महानिदेशालय, लखनऊ भेजा गया है।
डॉ. अवनीन्द्र कुमार ने 4 जुलाई 2022 को फरुर्खाबाद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया था। शासन की जारी तबादला सूची के बाद स्वास्थ्य विभाग में नई चचाएं शुरू हो गई हैं। जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच नए सीएमओ के आगमन को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।
माना जा रहा है कि डॉ. आनंद उपाध्याय जल्द ही फरुर्खाबाद पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे।
स्वास्थ्य विभाग से जुड़े लोगों का कहना है कि नए सीएमओ के सामने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने, ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती होगी।
डॉ. अवनीन्द्र कुमार के स्थानांतरण और डॉ. आनंद उपाध्याय की नियुक्ति को जिले के स्वास्थ्य प्रशासन में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।
अब सभी की निगाहें नए सीएमओ के कार्यभार संभालने और उनकी प्राथमिकताओं पर टिकी हैं।

युवक पर चाकू से हमला करने वाला आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

बरेली ।
प्रेमनगर थाना क्षेत्र में युवक पर चाकू से हमला कर घायल करने के मामले में फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने सोमवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपित के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है।
सुभाषनगर निवासी बृजेश मिश्रा एडवोकेट ने प्रेमनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 30 और 31 मई की रात वह अपने मामा के साथ गांव से घर और जमीन बेचने संबंधी कार्य निपटाकर लौटे थे। आरोप है कि जब वह गुलाबनगर स्थित मामा के घर के बाहर वाहन पर बैठे थे, तभी गुलाबनगर निवासी बिलाल घोसी वहां पहुंचा और उन्हें जबरन खींचकर ले जाने का प्रयास करने लगा।
शोर सुनकर बृजेश के मामा ने हस्तक्षेप कर उन्हें छुड़ाया।
आरोप है कि इस दौरान बिलाल ने बृजेश की मामी रानी शर्मा के साथ मारपीट की और चाकू उनके गले पर रख दिया। परिवार के लोगों ने विरोध किया तो बृजेश मिश्रा बचाव के लिए डंडा लेकर आगे बढ़े। इसी दौरान बिलाल ने उन पर चाकू से हमला कर दिया और पीठ पर दो वार किए, जिससे वह घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। सोमवार तड़के प्रेमनगर पुलिस जनकपुरी स्थित पुरानी रेलवे लाइन और आरपीएफ बैरक के पास संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। तभी सूचना मिली कि हमले का आरोपित बिलाल घोसी इलाके में मौजूद है और कहीं भागने की फिराक में है।सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ने का प्रयास किया। पुलिस का दावा है कि खुद को घिरता देख आरोपित ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें बिलाल के दोनों पैरों में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

समाज को जागरूक करने में पत्रकारों का योगदान : सुरेन्द्र सिंह

मुरादाबाद।
पत्रकार दिवस के अवसर पर नारद जी का स्मरण करना एवं उनके जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर है। समाज को जागरूक करने में पत्रकारों का अहम योगदान है। यह बातें रविवार को विश्व संवाद केंद्र द्वारा बुद्धि विहार स्थित एवं प्रांत प्रचार प्रमुख सुरेन्द्र सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता कही।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुद्दीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी